शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 12 | अंक : 242 | गुवाहाटी | मंगलवार, 7 अप्रैल, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सर्वेक्षण : एनडीए को पिछली बार से भी बड़ा बहुमत — पेज 2
गौरव गोगोई के एक लाख करोड़ डॉलर निवेश के दावे पर सीएम का पलटवार, — पेज 3
महिला सशक्तीकरण की दिशा में कारगर साबित हो रही लाडो प्रोत्साहन योजना — पेज 5
आईसीसी ने मार्च के लिए सैमसन और बुमराह को प्लेयर अफ द मंथ नामित किया — पेज 7

कांग्रेस के लिए परिवार सर्वोपरि, भाजपा के लिए राष्ट्र : पीएम

गुवाहाटी (एजे/नि.सं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को असम के होजाई में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गांधी परिवार पर परोक्ष रूप से निशाना साधा और कांग्रेस पार्टी पर जन कल्याण की बजाय वंशवादी हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रत्यक्ष रूप से किसी का नाम लिए बिना, कांग्रेस की *परिवार-प्रथम* नीति की आलोचना की और इसकी तुलना भाजपा के विकास और सुशासन पर केंद्रित नीति से की। नेहरू-गांधी परिवार पर परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्टी दिल्ली में एक *शाही परिवार* की सेवा करने में व्यस्त है, जबकि असम में भी इसका नेतृत्व एक ही परिवार के इर्द-गिर्द घूमता है। भाजपा के

शासन मॉडल पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी पार्टी सतत विकास प्रयासों के माध्यम से असम के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा *राष्ट्र पहले* और *जनता पहले* के सिद्धांत पर काम करती है, जबकि कांग्रेस पर वंशवादी राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप है। प्रधानमंत्री ने घुसपैठ के मुद्दे पर कांग्रेस को निशाना बनाते हुए कहा कि कांग्रेस ने घुसपैठ का समर्थन किया और आज घुसपैठियों ने असम के मूल निवासियों की जमीन के विशाल भूभाग पर कब्जा कर लिया है। यह उनकी वोट बैंक की राजनीति का नतीजा है। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र और -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस चुनाव के लिए आज शाम समाप्त होगा प्रचार

गुवाहाटी (हि.स.)। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि असम विधानसभा चुनाव 2026 के तहत सभी विधानसभा क्षेत्रों में साइलेंट पीरियड 7 अप्रैल को शाम 5:00 बजे से लागू हो जाएगा। यह मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व शुरू होगा और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों के अनुरूप होगा। इस अवधि के दौरान सभी प्रकार के चुनाव प्रचार पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसमें जनसभाएं, रैलियां, जुलूस और अन्य प्रचार गतिविधियां शामिल हैं। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव संबंधित सामग्री का प्रसारण भी प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान किसी भी माध्यम से वोट मांगना, जैसे कि बल्क एसएमएस, फोन कॉल या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए प्रचार करना पूरी तरह निषिद्ध रहेगा। मतदाताओं को प्रभावित करने का कोई भी प्रयास कानून का उल्लंघन माना जाएगा। चुनाव प्रचार समाप्त होने के बाद बाहरी राजनीतिक कार्यकर्ताओं और पार्टी प्रतिनिधियों, जो संबंधित क्षेत्र के मतदाता नहीं हैं, उन्हें तुरंत क्षेत्र छोड़ना होगा। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को इस निर्देश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है ताकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव वातावरण बना रहे। इसके अलावा, धारा 126(1)(बी) के तहत मतदान समाप्ति से पूर्व 48 घंटों के दौरान टीवी, सिनेमैटोग्राफ या अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर एग्जिट पोल, ओपिनियन पोल या किसी भी प्रकार के सर्वेक्षण परिणामों का प्रसारण प्रतिबंधित रहेगा। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने सभी उम्मीदवारों, राजनीतिक दलों और मीडिया संगठनों से इन दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर कानून के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

विपक्ष को बड़ा झटका...

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया है। राज्यसभा के सभापति ने यह प्रस्ताव खारिज किया। विपक्ष ने सीईसी को हटाने की मांग की थी। मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए टीएमसी के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने संसद के दोनों सदनों में महाभियोग का नोटिस दिया था। सेक्शन 3 ऑफ

जजेस एनक्वारी एक्ट 1968 के तहत अपने अधिकार का उपयोग करते हुए राज्यसभा के सभापति ने इस मोशन को स्वीकार करने से मना कर दिया है। राज्यसभा में यह प्रस्ताव 12 मार्च को पेश किया -शेष पृष्ठ दो पर

अमित शाह की तीन चुनावी रैलियों से पहले बराक घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है

सिलचर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 7 अप्रैल को बराक घाटी दौरे से पहले कछार जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, जहां वे क्षेत्र में तीन जोरदार चुनावी रैलियों को संबोधित करने वाले हैं। कछार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सैकिया ने सोमवार को कहा

कि सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री के सोमवार शाम को सिलचर पहुंचने के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा उपाय किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सुचारू आवागमन और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी यातायात मार्ग परिवर्तन लागू किए जा सकते हैं। शाह श्रीभूमि, हैलाकांदी और सिलचर में तीन बड़ी जनसभाओं को संबोधित करने वाले हैं, जो इस क्षेत्र में उनके अभियान का अंतिम चरण होगा। यात्रा कार्यक्रम का विवरण देते हुए असम के कैबिनेट मंत्री कौशिक राय ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री बराक घाटी में तीन चरणों वाला गहन चुनावी दौरा करेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

एक मनुष्य का सबसे बड़ा कर्म दुसरो की भलाई, और सहयोग होना चाहिए; जो एक संपन्न राष्ट्र का निमार्ण करता है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

ओपीएस-एनपीएस विवाद पर असम का बड़ा दांव

सीएम हिमंत ने लॉन्च की नई यूनिफाइड पेंशन स्कीम

गुवाहाटी। असम सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने की घोषणा की है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने बताया कि यह स्कीम केंद्र सरकार द्वारा हाल में ही पेश की गई नई पेंशन व्यवस्था का हिस्सा है। यह नई स्कीम के तहत असम सरकार की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.5 प्रतिशत कर दी गई है। जिसका सीधा फायदा राज्य के हजारों

सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा। सीएम रसमा ने बताया कि वर्तमान सरकारी कर्मचारियों को एक साल का समय दिया जाएगा। इसमें वह चाहें तो पुरानी नेशनल पेंशन स्कीन में बने रह सकते हैं या चाहें तो नई यूपीएस योजना को अपना सकते हैं। बता दें कि अगर कोई कर्मचारी यूपीएस को चुनता है, तो पहले से जमा उसका एनपीएस फंड खुद नई स्कीम में ट्रांसफर हो जाएगा। सीएम ने कहा -शेष पृष्ठ दो पर

असम सीएम की पत्नी ने पासपोर्ट विवाद पर दिया जवाब

पाकिस्तानी वीजा पर गोगोई पर किया पलटवार

गुवाहाटी (एजे/ हि.स.)। असम में 9 अप्रैल को मतदान होना है। इससे पहले मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां विवादों में घिर गए हैं। कांग्रेस ने शर्मा की पत्नी पर तीन-तीन देशों के पासपोर्ट रखने का आरोप लगाया है। हालांकि, अब इसपर उनकी प्रतिक्रिया सामने आई है। रिनिकी ने इन सवालों को बेहद *हास्यास्पद* करार दिया है साथ ही गौरव गोगोई से उनकी पत्नी के पाकिस्तान में बैंक खाते के बारे में खुलासा करने की मांग की है। रिनिकी भुइयां शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैं सस्पेंस

खत्म करती हूं और खुद इन हंसने वाले सवालों का जवाब देती हूं। न मैं, न मेरे बच्चे और न ही मेरे पति की दुबई या भारत के बाहर कहीं कोई बिजनेस या संपत्ति है। अब -शेष पृष्ठ दो पर

पवन खेड़ा के खिलाफ क्राइम ब्रांच में मामला दर्ज

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ क्राइम ब्रांच में मामला दर्ज कराया है। यह कार्रवाई उनके खिलाफ लगाए गए कथित झूठे आरोपों को लेकर की गई है। रिनिकी भुइयां शर्मा ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

दिल्ली विस का बैरियर तोड़कर घुसी कार, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा परिसर में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कार गेट नंबर-2 के बैरियर को तोड़ते हुए अंदर घुस गई। इस घटना के कुछ ही घंटों के भीतर दिल्ली पुलिस ने ड्राइवर समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के कब्जे से कार भी बरामद कर ली गयी है। पुलिस के -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान का कर्ज 80 ट्रिलियन रुपए पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को लेकर एक चिंताजनक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि देश का कुल कर्ज बढ़कर करीब 80 ट्रिलियन रुपए से ज्यादा हो गया है। पिछले एक साल में ही कर्ज में लगभग 9 ट्रिलियन रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान हर दिन करीब 26 अरब रुपए का नया कर्ज ले रहा है। अगर इसे और छोटे स्तर -शेष पृष्ठ दो पर

इंदिरा गांधी ने कहा था असम शांति का द्वीप : खड़गे

कछार (हि.स.)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लोकसभा सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को सिलचर के बरखोला में आयोजित एक विशाल चुनावी जनसभा में पहुंचे, जहां उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत पाल के समर्थन में प्रचार किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने कभी असम को *शांति का द्वीप* बताया था। जनसभा को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वर्तमान समय में असम की परिस्थितियां बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों से बराक घाटी की अनदेखी की -शेष पृष्ठ दो पर

चाय जनजातियों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करती रही कांग्रेस : जेपी नड्डा

तिनसुकिया (हि.स.)। विधानसभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सोमवार को असम पहुंचे। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने असम की चाय जनजातियों को केवल

वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया, लेकिन उनके वास्तविक विकास की अनदेखी की। दुमदुमा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार रुपेश गोवाला के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि वर्षों तक समर्थन मिलने के बावजूद चाय जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हर चुनाव में इन समुदायों से वोट तो लिए, लेकिन उनके भविष्य को नजरअंदाज किया। जेपी नड्डा ने चाय जनजातियों के इतिहास का -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस हिरासत में मौत का मामला

मदुरै कोर्ट ने नौ पुलिसकर्मियों को दिया मुत्युदंड

मदुरै। मदुरै की जिला अदालत ने सोमवार को सातांकुलम में हिरासत में मौत के मामले में दोषी पाए गए नौ पुलिस कर्मियों को मृत्युदंड सुनाया। अदालत ने कहा कि यह मामला

दुर्लभतम श्रेणी का है। इन पुलिसकर्मियों को जून 2020 में पी. जेयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की हिरासत में हत्या और यातना के मामले में दोषी पाया गया। जज मुथुकुमारन ने कहा कि यदि आम नागरिक ने यह अपराध किया होता, तो सामान्य सजा दी जा सकती थी। -शेष पृष्ठ दो पर

महिला आरक्षण पर पीएम मोदी का बड़ा दांव, कांग्रेस से बोले-

राजनीति छोड़कर बिल का समर्थन करें

डिब्रुगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी से महिला आरक्षण विधेयक में प्रस्तावित संशोधन का पूर्ण समर्थन करने का आह्वान किया है, जिस पर इस महीने के अंत में संसद के विशेष सत्र में चर्चा होनी है। असम के डिब्रूगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि विपक्ष को इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचना चाहिए। संसद का विशेष सत्र 16, 17 और 18 अप्रैल को होगा, जिसमें 2029 के लोकसभा चुनावों से महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण लागू करने पर चर्चा होगी। मोदी ने उम्मीद

जताई कि इस फैसले को सर्वसम्मति से मंजूरी मिल जाएगी। उन्होंने महिला आरक्षण के एजेंडे में कई वर्षों की देरी के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम—जो संसद और असम विधानसभा दोनों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करता है—भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के सत्ता में रहते हुए पारित किया गया था। मोदी के अनुसार, इस संशोधन से यह सुनिश्चित होगा कि 2029 के चुनावों तक लोकसभा सांसदों में कम से कम 33 प्रतिशत महिलाएं हों। उन्होंने कहा कि मैंने कांग्रेस से भी आग्रह किया है कि वह इस पर राजनीति न करे, बल्कि संशोधन को पूरा समर्थन दे ताकि महिलाओं के पक्ष में -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं रुकेगी जंग ! ईरान ने ठुकराया ट्रंप का 15 सूत्रीय प्रस्ताव

तेहरान। ईरान ने अमेरिका के उस 15-पॉइंट प्रस्ताव को सख्ती से खारिज कर दिया है, जिसे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष खत्म करने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने के लिए तैयार किया गया था। ईरानियन विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव बहुत ज्यादा मांगों वाला और

अव्यावहारिक है, जिसे मौजूदा हालात में स्वीकार करना संभव नहीं है। ईरान ने साफ कर दिया है कि उसने अब अपनी शर्तों का एक अलग सेट तैयार कर लिया है और बातचीत तभी आगे बढ़ेगी जब इन मांगों को ध्यान में रखा जाएगा। इससे साफ है कि दोनों पक्षों के बीच समझौते की राह अभी आसान नहीं है। ईरान ने अमेरिका के उस दावे पर भी शक जताया, जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के अंदर एक हाई-रिस्क ऑपरेशन कर अमेरिकी पायलट को बचाया गया। ईरान का कहना है कि यह ऑपरेशन असल में उनके समृद्ध यूरेनियम को कब्जे में लेने की कोशिश भी हो सकता था। विदेश मंत्रालय ने यह भी चेतावनी दी कि अगर सिर्फ सीजफायर किया गया और मूल मुद्दों का समाधान नहीं हुआ, तो इससे विरोधी पक्ष को दोबारा ताकत जुटाने का मौका मिल सकता है और संघर्ष फिर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

सर्वेक्षण : एनडीए को पिछली बार से भी बड़ा बहुमत

गुवाहाटी / नई दिल्ली। सोमवार को मैटेराइज द्वारा किए गए एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम में सत्ता बरकरार रखने की संभावना है, बल्कि इस बार उसे और भी अधिक बहुमत मिलेगा। आंकड़ों के अनुसार, भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को 92 से 102 सीटों पर जीत मिलने की आशंका है। असम में एनडीए गठबंधन में भाजपा, असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) शामिल हैं। इसके विपरीत, कांग्रेस और उसके सहयोगियों की सीटों की संख्या 22 से 32 के बीच रहने की संभावना है। कांग्रेस ने असम जातीय परिषद (एजेपी), रायजोर दल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सिस्ट (सीपीआई-एम), ऑल पार्टी हिल लीडर्स कांफ्रेंस (एपीएचएलसी) और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) लिबरेशन के साथ गठबंधन किया है, और इस गठबंधन को असम सोनमिलितो मोर्चा (एएसएम) कहा जाता है। मैट्रिज के जनमत सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, अन्य दलों को भी लगभग चार से सात सीटें मिल सकती हैं। आंकड़ों के अनुसार, असम में एनडीए को लगभग 46 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं, जबकि कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 36 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है। अन्य दलों को लगभग 18 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। क्षेत्रीय विश्लेषण के अनुसार, मैट्रीज ओपिनियन पोल के मुताबिक, बराक घाटी में एनडीए को 10-12 सीटें, कांग्रेस को 2-4 सीटें और अन्य दलों को 1-2 सीटें मिल सकती हैं। उत्तरी और मध्य असम में एनडीए को 27-29 सीटें, कांग्रेस को 4-6 सीटें और अन्य दलों को 0-1 सीट मिल सकती हैं। निचले असम में एनडीए को 22-24 सीटें, कांग्रेस को 7-9 सीटें और अन्य दलों को 2-5 सीटें मिल सकती हैं। मैट्रीज ओपिनियन पोल के मुताबिक, बोडोलैंड में एनडीए को 10-12 सीटें, कांग्रेस को 0-2 सीटें और अन्य दलों को 2-4 सीटें मिलने की संभावना है। ऊपरी असम में एनडीए को 21-23 सीटें और कांग्रेस को 5-7 सीटें मिलने की संभावना है। असम विधानसभा के 126 सदस्यों के लिए चुनाव 9 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे और इसके परिणाम 4 मई को पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के चुनावों के साथ घोषित किए जाएंगे।

मरियानी में मवेशियों की हत्या से असम-नगालैंड सीमा पर तनाव

जोरहाट। संदिग्ध नगा उपद्रवियों द्वारा मवेशियों को गोली मारकर हत्या करने के बाद जोरहाट के मरियानी में असम-नगालैंड सीमा पर नया तनाव पैदा हो गया। यह घटना नागिनीजन चाय बागान में घटी, जहां बदमाशों ने कथित तौर पर लाइन नंबर 9 के निवासी अजेश चाबर के मवेशियों पर गोली चलाई और उन्हें ले जाने का प्रयास किया। जब स्थानीय युवकों ने हमलावरों का पीछा किया, तो वे दो मोटरसाइकिलें वहीं छोड़कर घटनास्थल से भाग गए। दिसोई, दिसोई घाटी और तिरु हिल्स जैसे वन क्षेत्रों में सीमा पार से आने वाले समूहों द्वारा अतिक्रमण का आरोप स्थानीय लोगों ने लंबे समय से लगाया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि हथियारबंद लोग असम की धरती में घुस रहे हैं, दहशत फैला रहे हैं और बिना किसी सख्त कार्रवाई का सामना किए हथियारों से मवेशियों को मार रहे हैं। रविवार को शाम करीब 4 बजे, चाय बागान घूमने आए एक व्यक्ति ने गोलियों की आवाज सुनी और बदमाशों को एक गाय के पास खड़े देखा, जिसे उन्होंने गोली मार दी थी। वे थोड़ी देर बाद अपनी मोटरसाइकिलें छोड़कर भाग गए, एक स्थानीय निवासी ने बताया। उन्होंने आगे कहा कि ऐसी घटनाएं इक्का-दुक्का नहीं हैं। ये हमले अक्सर होते रहते हैं। अधिकारियों को सूचित करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती, उन्होंने आरोप लगाया और कहा कि स्थानीय और नगा दोनों ग्राम प्रधानों ने हस्तक्षेप का आश्वासन दिया था। स्थानीय निवासियों ने यह भी दावा किया कि मरियानी सीमा क्षेत्र में समय के साथ 200 से अधिक मवेशी लापता हो गए हैं। हालांकि नगालैंड और असम के ग्राम अधिकारियों के प्रतिनिधियों के बीच चर्चा हुई है, लेकिन स्थानीय लोगों ने प्रतिक्रिया से असंतोष व्यक्त किया है। पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया है और जांच शुरू कर दी है, लेकिन निवासियों का कहना है कि यह कार्रवाई अपर्याप्त है और उनका आरोप है कि सीमा पार से सशस्त्र समूहों द्वारा उन्हें लगातार धमकाया जा रहा है। यह ताजा घटना क्षेत्र में जारी तनाव के बीच हुई है। 4 मार्च को, गोलाघाट जिले के चुंगाजन में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, जब नगालैंड के निउलैंड जिले के अधिकारियों द्वारा कथित तौर पर स्थापित एक गेट ने सीमा क्षेत्र में क्षेत्रीय दावों को लेकर चिंताएं पैदा कर दीं।

इजरायल की ईरान पर बड़ी स्ट्राइक

तीन हवाई अड्डों पर हमला दर्जनों विमान, हेलीकॉप्टर और सैन्य ठिकाने भी तबाह

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट युद्ध अपने चरम पर है। इस बीच सोमवार को इजरायल ने ईरान पर बड़ी स्ट्राइक को अंजाम दिया है। आईडीएफ का दावा है कि उसने ईरान के 3 हवाई अड्डों पर हमला किया जिसमें दर्जनों विमान हेलीकॉप्टर और सैन्य ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इजरायल ने जिन हवाई अड्डों को निशाना बनाया है उनकी पहचान बहराम एयरपोर्ट, मेहराबाद एयरपोर्ट और आजमायेश एयरपोर्ट के रूप में की है। इससे पहले इजरायल के हमले में आईआरजीसी और कुद्स फोर्स के सीनियर नेताओं की मौत की खबर सामने आई थी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने बताया था कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख मेजर जनरल माजिद खादेमी और कुद्स फोर्स की यूनिट 840 के सीनियर कमांडर असगर बाघेरी को सटीक हवाई हमलों मार गिराया गया। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में, नेतन्याहू ने इस ऑपरेशन की तारीफ। उन्होंने कहा कि जो कोई भी हमारे नागरिकों की हत्या करने की कोशिश करेगा और जो कोई इजरायल के खिलाफ आतंकवाद फैलाएगा, उसकी मौत लगभग तय है। हम पूरी ताकत और पक्के इरादे के साथ कार्रवाई कर रहे हैं।

अरुणाचल प्रदेश के सीएम को एससी से झटका

सरकारी ठेकों के मामले में सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने सीएम पेमा खांडू के परिवार से जुड़ी कंपनियों को सरकारी ठेके देने के आरोपों की जांच के लिए सीबीआई को आदेश दिया है। दरअसल, यह मामला 1270 करोड़ रुपए के ठेकों में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है, जिसमें खांडू परिवार की 4 कंपनियां शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को सीबीआई के साथ पूर्ण सहयोग करने का निर्देश दिया है और राज्य के सर्वोच्च अधिकारी, मुख्य सचिव को केंद्रीय जांच एजेंसी के साथ समन्वय के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी रिकॉर्ड नष्ट न हो। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के आदेश के अनुसार, सीबीआई एक प्रारंभिक जांच दर्ज करेगी। इसमें नवंबर 2015 से 2025 तक के अवार्ड और उनके क्रियान्वयन को शामिल किया जाएगा। राज्य सरकार एक सप्ताह के भीतर इस आदेश का पालन करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सीबीआई नवंबर 2015 से 2025 तक के बीच हुए टेंडर और कॉन्ट्रैक्ट्स के आवंटन और उनके अमल में लाए जाने की प्रोसेस की जांच करेगी। इसके तहत खासतौर पर उन ठेकों हिस्ट्री खंगाले जाएंगे, जिनको लेकर याचिका में आरोप लगाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को 16 सप्ताह के भीतर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। जिसमें यह बताना होगा कि क्या एक स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है। अरुणाचल प्रदेश का यह मामला 1,270 करोड़ रुपए से अधिक के ठेकों में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि साल 2015 से 2025 के बीच लगभग 1,245 करोड़ रुपए के कार्यों का आवंटन बिना उचित प्रक्रिया के मुख्यमंत्री की पत्नी, माता और भतीजे से जुड़ी फर्मों को किया गया। इसके अलावा यह भी दावा किया गया कि सीएम पेमा के भतीजे, त्सेरिंग ताशी, जो तवांग जिले से विधायक हैं और मेसर्स एलायंस ट्रेडिंग कंपनी के मालिक हैं, जिन्होंने उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना कार्य अनुबंध दिए गए थे।

मोरीगांव में नाव डूबी, तीन लापता

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिलांतर्गत मोइराबाड़ी इलाके में ब्रह्मपुत्र नदी के भजाखैती घाट के पास सोमवार की सुबह एक नाव डूब गई। हादसे के बाद से तीन व्यक्तियों के लापता होने की पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना तब हुई जब इलाके में तेज हवाएं चलीं, जिससे नाव का संतुलन बिगड़ गया और वह नदी के बीच में डूब गई। जानकारी के अनुसार, अब तक लगभग 15 यात्रियों को बचा लिया गया है। बचाव अभियान जारी है, जिसमें राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की टीमें और वेल्लोगुरी पुलिस स्टेशन के जवान घटनास्थल पर तैनात हैं। हालांकि, लापता हुए तीनों लोगों में से किसी का भी पता अभी तक नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने बताया कि लापता लोगों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

पश्चिम एशिया युद्ध को रोकने की शक्ति सिर्फ भारत, रूस, चीन के पास : अमेरिकी अर्थशास्त्री

मास्को (हि.स.)। अमेरिकी अर्थशास्त्री एवं कोलंबिया यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट के निदेशक प्रो. जेफरी सैस ने कहा है कि ईरान को लेकर बढ़ते तनाव को रोकने की क्षमता केवल तीन वैश्विक नेताओं- भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपित शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपित व्लादिमीर पुतिन के पास है। रूस के सरकारी टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे द्वारा प्रसारित *न्यू ऑर्डर* कार्यक्रम में प्रो. सैस ने कहा कि यदि इन शक्तियों ने मिलकर हस्तक्षेप नहीं किया तो पश्चिम एशिया का संकट वैश्विक अस्थिरता का रूप ले सकता है। सैस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए समझाने की जरूरत पर जोर दिया। इसके साथ ही ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों की सामूहिक भूमिका को निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को *समझदार लोगों* द्वारा रोका जाना चाहिए। इस युद्ध को केवल भारत, रूस और चीन ही ऐसी शक्तियां हैं जो मिलकर इसे रोक सकती हैं। अगर ट्रंप ईरान पर बमबारी करके उसे वापस स्टोन एज में ले जाने की कोशिश करते हैं, तो ईरान कैसे जवाब देगा? ग्लोबल साउथ देशों पर इस अभूतपूर्व आर्थिक संकट का क्या असर होगा? जैसे-जैसे संकट गहराता जाएगा, भारत को डिप्लोमैटिक और जियोपॉलिटिकली खुद को कैसे खड़ा करना चाहिए? ट्रंप ने यह पूरी तरह से गलत क्यों समझा कि युद्ध के आर्थिक नतीजे कितने खतरनाक होंगे? जैसे तमाम प्रमुख सवाल इस कार्यक्रम में उठाए गए थे। इसके जवाब में प्रो. सैस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति जिनपिंग और राष्ट्रपति पुतिन को ट्रंप को यह समझाना चाहिए कि इस संघर्ष को खत्म करना क्यों जरूरी है। इन देशों के नेताओं का इसमें हित जुड़ा है कि दुनिया पूरी तरह से बिखर न जाए। सैस ने इजराइल पर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि वहां के राजनीतिक नेतृत्व का एक हिस्सा *छठी सदी ईसा पूर्व* वाली मानसिकता में जी रहा है। वहीं, जब उनसे पाकिस्तान द्वारा शांति की मध्यस्थता करने की कथित कोशिश के बारे में पूछा गया तो सैस ने कहा कि उनका मानना है कि ऐसा सिर्फ ब्रिक्स देश ही कर सकते हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का दोस्त अभी किसी को नहीं बनना चाहिए। भारत को एक महान देश और एक महाशक्ति होने के नाते इजराइल के साथ गठबंधन नहीं करना चाहिए, जिसने अभी-अभी गाजा में नरसंहार किया है।

पृष्ठ एक का शेष

कांग्रेस के लिए परिवार ...

असम दोनों में भाजपा सरकार ऐसी जमीनों को वापस लेने और मूल निवासियों के अधिकारों को बहाल करने के लिए *पूरी दृढ़ता* के साथ काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सरकार अवैध अतिक्रमणकारियों और घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। हम असम की भूमि, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने अवैध घुसपैठ के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए हर कदम का विरोध करने का आरोप कांग्रेस पर भी लगाया। जब भी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है, कांग्रेस नेता उनके समर्थन में सामने आते हैं। वे खुलेआम उन लोगों के साथ खड़े हैं जिन्होंने अवैध रूप से जमीन पर कब्जा कर रखा है, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस को भी निशाना बनाया और दावा किया कि *शाही परिवार* के सदस्य विभिन्न मामलों में जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के मुद्दे पार्टी के पिछले रिकॉर्ड को दर्शाते हैं और इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हैं। कांग्रेस शासित राज्यों से तुलना करते हुए, पीएम मोदी ने हिमाचल प्रदेश का जिक्र किया और आरोप लगाया कि पार्टी ने चुनाव से पहले मतदाताओं से बड़े-बड़े वादे किए लेकिन बाद में उन्हें पूरा करने में विफल रही। उन्होंने दावा किया कि पहाड़ी राज्य में कांग्रेस सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के वेतन में भी कटौती की है, और उस पर जनता के भरोसे के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि ये उदाहरण कांग्रेस के कामकाज में एक पैटर्न को उजागर करते हैं, जहां सत्ता में आने के बाद पार्टी द्वारा किए गए चुनावी वादों पर कार्रवाई नहीं की जाती है। उन्होंने असम के मतदाताओं से सतर्क रहने और भाजपा पर भरोसा रखने का आग्रह किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि भाजपा ने लगातार अपने वादों को पूरा किया है। भाजपा के विकास एजेंडे को दोहराते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पार्टी असम के लोगों के लिए प्रगति, स्थिरता और बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के...

गया था। राज्यसभा में 63 सांसदों ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। वहीं, लोकसभा में 130 सांसदों ने इस पर साइन किए थे। इस प्रस्ताव का उद्देश्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाना था। नियमों के मुताबिक, किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए कम से कम 100 लोकसभा सांसदों या 50 राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। दरअसल, नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कई आरोप लगाए गए। इनमें अपने पद पर रहते हुए किसी एक पार्टी का साथ देना, चुनावी धांधली की जांच को जानबूझकर रोकना, वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करना जैसे कई आरोप शामिल हैं। टीएमसी की नोटिस में 7 मुख्य आरोप लगाए गए थे। इनमें बिहार और पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आरोप भी शामिल है। इसके साथ ही ये भी कहा गया है कि कुछ राजनीतिक दलों के प्रति पक्षपात भी किया गया है। भारत में ऐसा पहली बार है जब किसी मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का नोटिस दिया गया है। सीईसी को हटाना कोई आसान काम नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(5) और अनुच्छेद 124(4) में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के हटाने की प्रक्रिया दर्ज है। उन्हें उसी तरह हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज को हटाया जाता है। इन्हें केवल देश की संसद द्वारा ही हटाया जा सकता है। सरकार को संसद के दोनों सदनों में *विशेष बहुमत* से प्रस्ताव पास करना पड़ता है। इसके लिए सदन में उपस्थित सदस्यों का 2/3 बहुमत जरूरी है। महाभियोग केवल सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर ही लगाया जा सकता है।

अमित शाह की तीन ...

राय ने बताया कि गृह मंत्री 6 अप्रैल की रात को सिलचर पहुंचेंगे और अगले दिन सुबह से ही अपने कार्यक्रमों में जुट जाएंगे। वे सबसे पहले श्रीभूमि जिले के पथारकांदी एलएसी में एक रैली को संबोधित करेंगे, उसके बाद हैलाकांदी में एक और रैली को संबोधित करेंगे। फिर वे दोपहर में सिलचर के पुलिस ग्राउंड में एक बड़ी रैली को संबोधित करेंगे, जिसमें सिलचर और उधारबोंड निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता शामिल होंगे। उन्होंने आगे कहा कि सिलचर रैली मौजूदा चुनावों के लिए बराक घाटी में शाह के अभियान की परिणति होगी। राय ने आगे कहा कि पार्टी के सांसद, विधायक और जमीनी स्तर के कार्यकर्ता निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रहे हैं, विशेष रूप से वंचित परिवारों तक पहुंच रहे हैं और भाजपा के संकल्प पत्र में उल्लिखित प्रतिबद्धताओं को उजागर कर रहे हैं। फरवरी में कछार जिले के नाथनपुर गांव में वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम (वीवीपी) की शुरुआत करने के बाद शाह की यह इस क्षेत्र की दूसरी यात्रा होगी।

सीएम हिमंत ने लॉन्च ...

कि इस कदम के साथ ओपीएस और एनपीएस के बीच चल रही बहस अब खत्म होगी। यूपीएस में कर्मचारियों को अपने वेतन और महंगाई भत्ते का 10 फीसदी योगदान करना होगा। वहीं सरकार अब 18.5 फीसदी हिस्सेदारी देगी। यह योजना 01 जनवरी 2004 के बाद भर्ती हुए उन कर्मचारियों पर लागू होगी। जो अब यूपीएस का ऑप्शन चुनते हैं। पुरानी पेंशन योजना में जहां कर्मचारियों को उनकी आखिरी बेसिक सैलरी का 50 फीसदी पेंशन के रूप में मिलता था। वहीं यूपीएस में यह व्यवस्था योगदान-आधारित है। जिससे फ्यूचर में पेंशन फंड ज्यादा स्थायी रहेगा। यूपीएस अपनाने के साथ राज्य अब देश के शुरूआती राज्यों में शामिल हो गया है। जिसने अपनी पेंशन नीति को राष्ट्रीय ढांचे से जोड़ा है। एक्सपर्ट की मानें, इस फैसले से राज्य सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा, लेकिन कर्मचारियों के लिए यह लंबे समय की वित्तीय स्थिरता और सुरक्षा का बड़ा कदम साबित होगा। सीएम ने कहा कि यह फैसला असम के कर्मचारियों के भविष्य को मजबूत करेगा और राज्य को एक नई दिशा देगा।

असम सीएम की पत्नी ने ...

आपकी बारी। क्या आप बता सकते हैं कि आपकी पत्नी के पास कभी पाकिस्तान में बैंक अकाउंट था या है? और क्या आप उसकी डिटेल्स सार्वजनिक करेंगे? उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले दो साल से उनकी फैमिली को बदनाम करने की साजिश चल रही है। रिनिकी ने कहा कि कांग्रेस के टॉप से लेकर बेस लेवल तक उन्हें लोगों को बदनाम करने के अलावा कुछ नहीं सूझता। वो एआई जेनरेटेड और फोटोशॉप किए दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये शर्मनाक है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि ये दस्तावेज फर्जी और पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप से लिए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि यूएई और मिस्र के पासपोर्ट एआई और फोटोशॉप से बनाए गए हैं। शर्मा दंपति ने पवन खेड़ा के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई है। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस द्वारा उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के नाम पर दिखाए गए तीनों पासपोर्ट पूरी तरह फर्जी पाए गए हैं और इस संबंध में केंद्र सरकार ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि कर दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी के पास यूएई, मिस्र और एंटीगुआ के पासपोर्ट हैं। इन आरोपों के बाद उन्होंने स्वयं केंद्र सरकार से मामले की जांच कराने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा कि जांच के बाद केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि तीनों पासपोर्ट फर्जी हैं, जिससे कांग्रेस के सभी आरोप निराधार साबित हुए हैं।

पवन खेड़ा के ...

तरह से निराधार और मनगढ़ंत हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में दोषियों को कानून के तहत सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के खिलाफ कोई ठोस मुद्दा न होने के कारण उन्हें *सॉफ्ट टार्गेट* बनाकर निशाना बनाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की ओर से यह आरोप लगाया गया था कि रिनिकी भुइयां शर्मा के पास यूएई, मिस्र और एंटिगुआ की नागरिकता एवं यूएस एवं खाड़ी के देश में अवैध प्रापर्टी है। इन आरोपों को उन्होंने सिरे से खारिज करते हुए इसे एक सुनियोजित दुष्प्रचार करार दिया है।

इंदिरा गांधी ने कहा...

जा रही है और क्षेत्र विकास के मामले में पीछे छूट गया है। उन्होंने कहा कि सिलचर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अब तक अधूरा पड़ा है, वहीं तारापुर एलिवेटेड कॉरिडोर का काम भी ठप हो गया है। इन परियोजनाओं के अधूरे रहने से छात्रों, कर्मचारियों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खड़गे ने आसपास के क्षेत्रों में हर वर्ष आने वाली बाढ़ का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण लोगों के घर बह जाते हैं और फसलें नष्ट हो जाती हैं, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है। अपने संबोधन के अंत में मल्लिकार्जुन खड़गे ने मतदाताओं से सिलचर में कांग्रेस प्रत्याशी अभिजीत पाल को विजयी बनाने की अपील की और क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया।

चाय जनजातियों को ...

उल्लेख करते हुए कहा कि ये समुदाय औपनिवेशिक काल में झारखंड, उड़ीसा और बिहार से लाए गए श्रमिकों के वंशज हैं और आज असम के कई विधानसभा क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान बाहरी लोगों को असम में आने दिया गया और उन्हें पहचान पत्र व सरकारी लाभ भी दिए गए, जिससे स्थानीय लोगों, विशेषकर आदिवासियों और गरीब वर्गों की जमीन पर अतिक्रमण बढ़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाने और अतिक्रमित जमीन को वापस दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, उन्होंने चाय जनजाति के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने घुसपैठ का विरोध कर क्षेत्र के भविष्य की रक्षा की है। कांग्रेस शासनकाल पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा कि पहले असम में हिंसा, अशांति, हड़ताल और कर्फ्यू का माहौल रहता था, जबकि पिछले एक दशक में भाजपा के नेतृत्व में राज्य में स्थिरता आई है। उन्होंने राज्य में चल रही जनकल्याण योजनाओं का उल्लेख करते हुए भरोसा दिलाया कि एनडीए की सरकार बनने पर इन्हें और विस्तारित किया जाएगा। नड्डा ने आगामी 9 अप्रैल के चुनाव में भाजपा-नीत गठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

मदुरै कोर्ट ने नौ ...

लेकिन अपराध पुलिस ने किया है। अदालत ने कहा कि हिरासत में हिंसा का यह स्पष्ट उदाहरण है। साक्ष्यों से पता चला कि पिता और पुत्र को पुलिस हिरासत में बुरी तरह पीटा गया। निरीक्षक एस श्रीधर ने हमले के लिए उकसाया। जबकि, अन्य कर्मी हिंसा और उसके बाद सबूतों को छिपाने में शामिल थे। पुलिस ने जेयराज (58 वर्षीय) और बेनिक्स (31 वर्षीय) को 19 जून 2020 को हिरासत में लिया था। उन पर कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने का आरोप लगाया गया था। कुछ दिनों बाद उनकी कोविलपत्ती सरकारी अस्पताल में मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि पुलिस हिरासत में उन्हें क्रूर यातना दी गई थी। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने फॉरेंसिक साक्ष्य, मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर साबित किया कि सातांकुलम थाने में उन पर क्रूर हमला हुआ था। थाने में पाए गए खून के धब्बे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटें मुख्य साक्ष्य रहे। आरोपी विशेष उप-निरीक्षक पॉल्दुराई की मुकदमे के दौरान कोरोना से मौत हो गई थी। यह मामला पूरे देश में हिरासत में हिंसा और पुलिस की जवाबदेही पर बहस का केंद्र बन गया था। अब सजा सुनाए जाने के बाद मामला अंतिम चरण में प्रवेश कर गया है। पीड़ितों के वकील जबा सिंह ने कहा, अदालत ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ए1 से ए9 तक सभी आरोपियों को मौत की सजा दी गई। पहले आरोपी (ए1) को 24 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश मिला। दूसरे आरोपी (ए2) को 16.30 लाख रुपए देने होंगे। कुल मिलाकर मृतक बेनिक्स की मां को 1.40 करोड़ रुपए मुआवजा दिया जाएगा। अदालत ने कहा कि अगर आरोपी मुआवजा नहीं देंगे तो उनकी संपत्ति जब्त कर बेच दी जाएगी और राशि पीड़ित परिवार को दी जाएगी। पीड़ित के परिवार के सदस्य पर्सी ने कहा कि अदालत ने हमारे मामले में न्याय किया। हमने अदालत पर विश्वास रखा। अब कोई और परिवार ऐसा दुख न सहे, इसके लिए हम लंबे समय तक संघर्ष करते रहे। हमें उम्मीद है कि ऐसे हादसे भविष्य में कभी नहीं होंगे।

राजनीति छोड़कर बिल...

सर्वसम्मति से निर्णय लिया जा सके। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया कि 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद सत्र आयोजित करना आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। रमेश ने बताया कि सरकार ने मूल रूप से नई जनगणना के आंकड़ों के आधार पर महिला आरक्षण विधेयक को 2034 के चुनावों से लागू करने की योजना बनाई थी, जबकि कांग्रेस इसे पहले लागू करने की वकालत कर रही है। उन्होंने विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा। लोकसभा में वर्तमान में 543 सीटें हैं, और प्रस्तावित 50 प्रतिशत वृद्धि से कुल सीटें 816 हो जाएंगी, जिनमें से लगभग एक तिहाई, यानी 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सूत्रों ने संकेत दिया है कि मौजूदा महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन करने वाला एक विधेयक संसद में परिसीमन विधेयक के साथ पेश किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सरकार के विधायी एजेंडे के लिए सभी दलों के समर्थन की अपील की है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण हमारी प्रतिबद्धता है। हमें महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एकजुट होना चाहिए, न कि राजनीति करनी चाहिए।

नहीं रुकेगी जंग...

शुरू हो सकता है। इस बीच, ईरान ने ओमान के साथ बातचीत शुरू की है, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही सुरक्षित और सुचारू बनी रहे। यह इलाका दुनिया की ऊर्जा सप्लाई के लिए बेहद अहम माना जाता है। कुल मिलाकर, ईरान ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दबाव में आने वाला नहीं है और अब बातचीत उसकी शर्तों पर ही आगे बढ़ेगी।

दिल्ली विस का ...

अनुसार गिरफ्तार मुख्य आरोपित की पहचान सरबजीत के रूप में हुई है। उसके नाम पर ही टाटा सिएरा कार (नंबर यूपी-26 एजेड 8090) रजिस्टर्ड है। आरोपितों को दिल्ली के रूप नगर इलाके से पकड़ा गया। फिलहाल तीनों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि इस घटना के पीछे की मंशा का पता लगाया जा सके। घटना सोमवार दोपहर करीब 2:10 बजे की है। उस समय विधानसभा परिसर के वीआईपी गेट पर सीआरपीएफ के जवान तैनात थे। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार कार ने गेट नंबर-2 के बैरियर को टक्कर मारकर अंदर प्रवेश कर लिया। सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए कार सीधे अंदर तक पहुंच गई, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि कार से एक व्यक्ति बाहर निकला, जो अपने साथ गुलदस्ता और फूलों की माला लेकर आया था। उसने विधानसभा अध्यक्ष की गाड़ी के पास जाकर गुलदस्ता रखा और कुछ मिनट तक वहीं मौजूद रहा। इसके बाद वह वापस कार में बैठकर फरार हो गया। राहत की बात यह रही कि गुलदस्ते में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। कार का पंजीकरण उत्तर प्रदेश के पीलीभीत का है। घटना की गंभीरता को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने तुरंत कर्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपितों को दबोच लिया। इस ऑपरेशन में स्थानीय पुलिस के साथ स्पेशल सेल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों ने भी अहम भूमिका निभाई। फिलहाल सभी एजेंसियां मिलकर आरोपितों से पूछताछ कर रही हैं। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा खुद मौके पर पहुंचे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर पूरे घटनाक्रम की समीक्षा की। उन्होंने मामले में सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी ली। गुप्ता ने बताया कि घटना के समय वे परिसर में ही मौजूद थे। सुरक्षा कारणों के चलते फिलहाल उन्होंने संबंधित वाहन का उपयोग बंद कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपित ने इस घटना से पहले विधानसभा परिसर की रेकी की थी। जांच में सामने आया है कि आरोपित को अध्यक्ष की गतिविधियों की पूरी जानकारी थी। यही वजह रही कि उसने उनके प्रवेश के महज दो मिनट के भीतर बैरियर तोड़कर अंदर घुसने की टाइमिंग चुनी। बताया जा रहा है कि आरोपित ने बेहद सुनियोजित तरीके से पूरी वारदात को अंजाम दिया। वह करीब 5 से 10 मिनट के भीतर परिसर में दाखिल हुआ, अध्यक्ष की गाड़ी तक पहुंचा और फिर वहां से निकल गया। इस दौरान उसके पास एक बैग भी था, जिससे सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं। राजधानी के सबसे हाई-सिक्योरिटी जोन में इस तरह की सेंध ने सुरक्षा इंतजामों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीआईपी गेट पर तैनाती के बावजूद कार का अंदर घुस जाना सुरक्षा चूक की ओर इशारा करता है। पुलिस फिलहाल इस मामले को कई एंगल से जांच रही है। आरोपितों की मंशा, उनके नेटवर्क और किसी बड़े साजिश से जुड़े होने की संभावनाओं पर भी गौर किया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि क्या यह सिर्फ ध्यान आकर्षित करने की कोशिश थी या इसके पीछे कोई गंभीर मकसद छिपा है। इधर घटना के बाद विधानसभा परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली पुलिस अब मल्टी-लेयर सिक्योरिटी सिस्टम लागू करने पर विचार कर रही है। इसके तहत प्रवेश द्वार की निगरानी, तकनीकी सर्विलांस और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती को और मजबूत किया जाएगा। फिलहाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां आरोपितों से पूछताछ में जुटी हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही इस पूरे मामले का खुलासा हो जाएगा और घटना के पीछे की असल वजह सामने आ जाएगी।

पाकिस्तान का कर्ज ...

पर देखें तो हर घंटे 1 अरब रुपए से ज्यादा और हर मिनट लगभग 1.8 करोड़ रुपए का कर्ज बढ़ रहा है। स्थिति इतनी गंभीर है कि देश की अर्थव्यवस्था जितना उत्पादन करती है, उसका 72 प्रतिशत हिस्सा पहले से ही कर्ज में दबा हुआ है। यानी सरकार के पास विकास और सार्वजनिक सेवाओं के लिए सीमित संसाधन बचते हैं। इस बढ़ते कर्ज का बड़ा हिस्सा सरकारी कंपनियों के घाटे और अन्य खर्चों में जा रहा है। पावर सेक्टर, गैस कंपनियां, रेलवे और राष्ट्रीय एयरलाइन जैसी कई सरकारी संस्थाएं लगातार नुकसान में चल रही हैं, लेकिन उनमें कोई बड़ा सुधार नहीं किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यही स्थिति जारी रही, तो आने वाले समय में शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जरूरी क्षेत्रों में निवेश और कम हो जाएगा। कर्ज चुकाने में ही सरकार की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो सकता है। कुल मिलाकर, पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर कर्ज का दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जिससे भविष्य में और बड़े आर्थिक संकट की आशंका जताई जा रही है।

तापमान

अधिकतम 28^{0} | न्यूनतम 18^{0}

सरूपथार में भाजपा प्रत्याशी विश्वजीत फूकन के आवास पर ग्रेनेड से हमला

गोलाघाट (हिंस)। असम के सरूपथार क्षेत्र में उस समय तनाव फैल गया, जब अज्ञात बदमाशों ने सोमवार को भाजपा प्रत्याशी विश्वजीत फूकन के बिलगांव चांगपुल स्थित आवास पर ग्रेनेड फेंक दिया। हालांकि, उसमें विस्फोट नहीं हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना के समय घर में परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था और केवल एक रखवाला ही वहां उपस्थित था। ग्रेनेड में विस्फोट नहीं होने के चलते किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बताया गया है कि ग्रेनेड काफी पुरानी है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। हमले के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस ने ग्रेनेड को अपने कब्जे में ले लिया है। इधर, विश्वजीत फूकन ने बरपथार थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

गौरव गोगोई के एक लाख करोड़ डॉलर निवेश के दावे पर सीएम का पलटवार,

फर्जी अकाउंट का किया प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के अमेरिका में एक लाख करोड़ डॉलर के निवेश के दावों को खारिज करते हुए इसे भ्रामक और अप्रमाणित बताया। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने आज कहा कि *गौरवएलिजाबेथ786* नाम से एक कथित अकाउंट दिखाकर इस आरोप को सही साबित करने की कोशिश की गई। उन्होंने स्वयं एक उदाहरण पेश करते हुए बताया कि मात्र 199 अमेरिकी डॉलर देकर कोई भी व्यक्ति अमेरिका में इस तरह का अकाउंट खोल सकता है। डॉ. शर्मा ने आरोप लगाया कि विपक्ष फर्जी डिजिटल साक्ष्यों के जरिए जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि उनका यह प्रदर्शन यह दिखाने के लिए था कि किस तरह नकली

ऑनलाइन पहचान बनाकर झूठा नैरेटिव तैयार किया जा सकता है। इस घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है, खासकर चुनावी माहौल में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं।

बरहमपुर में मुख्यमंत्री हिमंत ने किया चुनाव प्रचार

नगांव (हिंस)। असम में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई है। चुनाव में अब केवल दो दिन शेष हैं और राज्यभर में सत्तापक्ष और विपक्ष के प्रत्याशी जोर-शोर से प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को बरहमपुर में भाजपा उम्मीदवार जीतू गोस्वामी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार जीतू गोस्वामी को पिछली बार की तुलना में कहीं अधिक मत मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चुनाव में जीतू गोस्वामी को काफी कम वोट मिले थे, लेकिन इस बार जनता के उत्साह को देखकर साफ है कि उन्हें भारी समर्थन मिलेगा।

हिमंत विश्व शर्मा की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा चुनाव में अब केवल दो दिन शेष रहने के बीच प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की। पार्टी ने उनके चुनावी शपथपत्र में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया है। जालुकबाड़ी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विदिशा नेओग के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, एआईसीसी सचिव मनोज चौहान तथा कामरूप (मेट्रो) जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वप्न दास भी शामिल थे। ज्ञापन में कांग्रेस ने आरोप लगाया कि हिमंत विश्व शर्मा ने 2026 के असम विधानसभा चुनाव के लिए दायर अपने शपथपत्र में जानबूझकर अपनी संपत्ति से जुड़ी जानकारी छिपाई है। पार्टी ने इस मामले पर तुरंत संज्ञान लेकर कार्रवाई करने की मांग की।

इस बार कांग्रेस खत्म : बदरुद्दीन

दरंग (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने सोमवार को दावा किया कि असम विधानसभा चुनाव में इस बार कांग्रेस का सफाया हो जाएगा और उनकी पार्टी मजबूत स्थिति में उभरेगी। दलगांव में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अजमल ने कहा कि एआईयूडीएफ इस क्षेत्र में जीत दर्ज करने जा रही है। उन्होंने परिणाम आने से पहले ही स्थानीय लोगों को *विजय उत्सव* में शामिल होने का निमंत्रण देकर अपनी जीत को लेकर भरोसा जताया। अजमल ने मतदाताओं से एआईयूडीएफ के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि उनकी पार्टी जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती है। राज्य में चुनाव से पहले विभिन्न दलों के बीच प्रचार तेज हो गया है और दलगांव जैसे क्षेत्रों में राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं।

गुवाहाटी विश्वविद्यालय में *प्रत्नकथा* पुस्तक का लोकार्पण

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन विभाग में सोमवार को लेखक विकास शर्मा की दापोन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित *प्रत्नकथा* निबंध-संग्रह का औपचारिक रूप से लोकार्पण किया गया। डॉ. धुर्ज्जटी शर्मा द्वारा संचालित इस कार्यक्रम में लोकार्पणकर्ता के रूप में विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनुराधा शर्मा (आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन विभाग), डॉ. नवजीत देउरी (निदेशक, पुरातत्व निदेशालय, असम, आमबारी) तथा वरिष्ठ प्रोफेसर दिलीप बोरा उपस्थित थे। विभागाध्यक्ष अनुराधा शर्मा के स्वागत भाषण से आरंभ हुए इस कार्यक्रम में पुस्तक का लोकार्पण करते हुए डॉ. नवजीत देउरी ने कहा कि असमिया भाषा में पुरातत्व से संबंधित चिंतन-चर्चा अभी भी काफी सीमित है। ऐसे में विकास शर्मा जैसे शोधकर्ता का इस विषय पर गहराई से कार्य करना निश्चित रूप से खुशी की बात है और

यह भविष्य में अधिक शोधपरक चर्चाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा। आशा है कि पाठक समाज इस पुस्तक को अपनाएगा। वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. दिलीप बोरा ने कहा कि भारतीय ज्ञान-परंपरा के संदर्भ में कामरूप-असम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक योगदान को समझने में यह पुस्तक एक नया आयाम प्रस्तुत करेगी। कार्यक्रम में गौहाटी विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर डॉ. चंदन कुमार शर्मा तथा विशिष्ट इतिहासकार एवं श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. गजेन्द्र अधिकारी ने भी पुस्तक के लेखक के प्रति उत्साहवर्धक वक्तव्य प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में गौहाटी विश्वविद्यालय के असमिया विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. दीपामणि हालोई महंत, आधुनिक भारतीय भाषा और साहित्य अध्ययन विभाग के डॉ. बी विजयकुमार, डॉ. खगेन शर्मा, डॉ. भास्कर भुइयां, तथा कॉटन विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रशांत चक्रवर्ती सहित अन्य कई प्राध्यापक-प्राध्यापिकाओं के साथ-साथ शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रूपहीहाट में भीड़ की पिटाई से तीन डकैतों की मौत, क्षेत्र में तनाव

नगांव (हिंस)। नगांव जिलांतर्गत रूपहीहाट के नंबर 1 काठपाड़ा इलाके में रविवार की रात उस समय तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई, जब स्थानीय लोगों की पिटाई से तीन संदिग्ध डकैतों की मौत हो गई। सोमवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार, लगभग 10-12 डकैतों का एक समूह मुझ्जामेल नामक व्यक्ति के घर में डकैती के इरादे से घुसा था। डकैतों को देखकर परिवार के लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों को आता देख डकैत भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर चार डकैतों को पकड़ लिया। पकड़े गए डकैतों की भीड़ ने जमकर पिटाई की और बाद में उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए नगांव मेडिकल कॉलेज भेजा, जहां तीन डकैतों की मौत हो गई। डकैतों की पहचान आंशिक रूप से हो पाई है।

राज्यपाल ने उद्योगपतियों की बैठक की अध्यक्षता की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने सोमवार को असम लोक भवन में भारतीय उद्योग एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल के साथ उद्योगपतियों की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि असम अपनी सामरिक स्थिति, बेहतर कनेक्टिविटी, नीतिगत सहयोग और निवेशकों के अनुकूल वातावरण के कारण देश का प्रमुख निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा है। उन्होंने राज्य के बुनियादी ढांचे तथा औद्योगिक विकास में केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए सेमीकंडक्टर जैसे उभरते क्षेत्रों में भी असम की संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने उद्योग जगत से राज्य की अपार संभावनाओं को तलाशने का आग्रह करते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार एक अनुकूल, पारदर्शी और निवेश-हितैषी वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि समावेशी और सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सके। राज्यपाल

ने कहा कि उद्योगपति असम की विकास यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक के दौरान उन्होंने *एडवांटेज असम-2.0* जैसे महत्वपूर्ण पहल की चर्चा की, जो विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि एमएसएमई क्षेत्र रोजगार सृजन और समावेशी विकास का आधार है, इसलिए इसे और मजबूत करने की आवश्यकता है। इससे पहले असम के उद्योग आयुक्त नरेंद्र शाह ने *असम-भारत का सबसे तेजी से विकसित होता राज्य* विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें राज्य की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त, विकसित होते बुनियादी ढांचे और अनुकूल औद्योगिक वातावरण को रेखांकित किया गया। भारतीय उद्योग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश गोयल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में *इंडस्ट्रियल सिनेरियो इन असम* पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। स्वागत भाषण राज्यपाल के सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम ने दिया, जबकि धन्यवाद् ज्ञापन एसएन भौमिक ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में असम की प्रथम महिला कुमुद देवी भी मौजूद रहीं।

मंदिरा पुलिस के जाल में 28 गायें समेत तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

नगरबेरा (विभास)। कामरूप जिले के मंदिरा थाना पुलिस की एक टीम ने आज सुबह पशु तस्करों के खिलाफ औचक अभियान चलाकर तस्करी किए गए 28 मवेशियों को जब्त कर तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। तस्करी कर लाए गए मवेशियों को पुलिस ने घिलाबाड़ी से जब्त किया था। पुलिस ने तीन पशु तस्करों मालीबाड़ी के बशर अली, शुक्ताटरी के जैनुद्दीन और अथुभंगा के अंजन खान को भी गिरफ्तार किया है। हाल ही में खबर आई थी कि तीनों पशु तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और गायों को गौशालाओं में भेज दिया गया है। गौरतलब है कि जब्त किए गए मवेशियों को उस समय जब्त किया गया था जब उन्हें गुप्त रूप से घिलाबाड़ी से धूपधारा ले जाया जा रहा था।

समरीया में कांग्रेस उम्मीदवार रेकीबुद्दीन के समर्थन में महाराष्ट्र के सांसद इमरान प्रतापगढ़ी चुनावी मैदान में

नगरबेरा (विभास)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बने। इस मुख्यमंत्री ने असम की जमीन बड़े उद्योगपतियों को बेच दी है। महाराष्ट्र के राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगरी ने आज समरिया निर्वाचन क्षेत्र संख्या 27 के कलाताली में कांग्रेस की एक विशाल बैठक में कांग्रेस उम्मीदवार रेकीबुद्दीन अहमद के लिए प्रचार करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि असम में गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। अगर कांग्रेस ने गौरव गोगोई के नेतृत्व में सत्ता में आती है तो मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भ्रष्टाचार और नफरत की राजनीति के लिए जेल जाना पड़ेगा। जनता इस बार हिमंत विश्व शर्मा सरकार को गिराकर कांग्रेस की सरकार बनाने जा

रही है, जिसके हिमंत विश्व शर्मा हैं और उन्होंने इस चुनाव में अपने दोस्तों को बुलाया है। सांसद ने कहा कि कांग्रेस के वादे के मुताबिक दिवंगत कलाकार जुबिन गर्ग को सौ दिन के भीतर न्याय दिला दिया जाएगा। कांग्रेस द्वारा दी गई पांच गारंटियों पर असम के लोगों द्वारा भारी प्रतिक्रिया देने के बाद, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व निराश हो गए और जो मन आया वह बोलने लगे। कांग्रेस उम्मीदवार रेकीबुद्दीन अहमद की चुनावी रैली में इमरान प्रतापगढ़ी ने भीड़ से अभिभूत हो गए और कहा कि इस चुनाव में असम में रेकीबुद्दीन अहमद चौथी बार रिकॉर्ड संख्या में वोटों से जीतेंगे। बैठक में धुबड़ी के सांसद रकीबुल हुसैन ने कहा कि यह चुनाव कोई त्योहार नहीं है, यह हमारा जीवन है। 9 अप्रैल को मतदान में गलती करने पर हमारे बच्चों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। रकीबुल हुसैन ने यह भी कहा कि अगर इस बार कांग्रेस सत्ता में आती है तो समरिया के रेकीबुद्दीन अहमद उस सरकार में एक मजबूत मंत्री होंगे। बैठक में कांग्रेस उम्मीदवार रकीबुद्दीन अहमद ने अपने भाषण में एक मजबूत समरिया निर्वाचन क्षेत्र के निर्माण के लिए आशीर्वाद मांगा और उनसे भारी अंतर से जीतने का आग्रह किया। बैठक में कांग्रेस नेता नूरी खान, महबूब अली, फजलुल हक और बाबर अली ने कांग्रेस से आग्रह किया कि वह मजबूत उम्मीदवार और तीन बार के विधायक रेकीबुद्दीन अहमद को हाथ के निशान के जरिए बड़ी संख्या में वोट देकर उनकी जीत सुनिश्चित करे।

भारतीय क्रिकेट टीम के दो स्टार खिलाड़ियों ने लिया मां कामाख्या का आशीर्वाद

गुवाहाटी (हिंस)। शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर में सोमवार को भारतीय क्रिकेट टीम के दो स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा और तिलक वर्मा मां का आशीर्वाद लेने पहुंचे। दोनों खिलाड़ियों ने देवी के चरणों में विशेष पूजा-अर्चना कर आगामी मैच के लिए सफलता की कामना की। मंदिर परिसर में खिलाड़ियों की मौजूदगी को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच दोनों क्रिकेटरों ने भक्तिभाव के साथ दर्शन किए। इस दौरान मंदिर के बाहर प्रशंसकों की भीड़ भी देखी गई, जो अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की एक झलक पाने के लिए उत्साहित नजर आए। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी के बरसापाड़ा स्टेडियम में मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का एक महत्वपूर्ण

मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के लिए मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स की टीमें पहले ही शहर में पहुंच चुकी हैं और अभ्यास में जुटी हुई हैं। मैच से पहले रोहित शर्मा और तिलक वर्मा का मंदिर जाकर पूजा करना चर्चा का विषय बना हुआ है।

तामुलपुर में भारत-भूटान सीमा पर विस चुनाव के मद्देनजर आवाजाही नियंत्रित

तामुलपुर (हिंस)। आगामी 9 अप्रैल को होने वाले असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर तामुलपुर जिले में भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर लोगों और वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार सभी अंतर्राष्ट्रीय स्थलीय सीमा के प्रवेश और निकास मार्गों को नियंत्रित किया गया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से संपन्न हो सके। जिला दंडाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिमी करण, आईएएस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163(2) के तहत जारी आदेश में कहा गया है कि 6 अप्रैल की शाम 5 बजे से मतदान प्रक्रिया पूरी होने तक भारत-भूटान सीमा के मार्गों पर आवाजाही सीमित रहेगी। इस अवधि के दौरान आम लोगों और वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा।

बिश्वनाथ : भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सीएम ने किया प्रचार

विश्वनाथ (विभास)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज धुआंधार प्रचार के बीच बिश्वनाथ में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा किराहुल गांधी की रैली 50 प्रतिशत मियां है ,तो सरकार होने से 100 प्रतिशत मियां होगा। अगर विश्वनाथ में जयंत बोरा जीतते हैं तो कांग्रेस बांग्लादेशी मियां की सेवा करेगी। कांग्रेस को अब पता चल रहा है कि पल्लवी लोचन असमिया नहीं हैं। अगर पल्लवी लोचन दास असमिया नहीं हैं, तो हिमंत विश्व शर्मा असमिया कैसे हो सकते हैं? पल्लब लोचन दास को विधायक बनाएं, बिश्वनाथवासियों को अकल्पनीय सुधार देखने को मिलेगा। राहुल की रैली में 50 प्रतिशत मियां का योगदान है। अगर सरकार होगी तो पूरी तरह मिया ही ले लेगी। मैं उन लोगों की निंदा करता हूं जो कहते हैं कि पल्लव लोचन दास असमिया नहीं हैं। अगर आज चाय समुदाय असमिया नहीं है, तो बांग्लादेशी मिया असमिया क्या है? इसी बीच हिमंत ने पत्रकारों से कहा पल्लव लोचन दास मेरे भाई हैं। यह कोई नई बात नहीं है कि पल्लवी लोचन मेरे भाई हैं, क्योंकि वह एटीएसए में कार्यरत थे। क्या असमिया और चाय बागानों के बीच झगड़े करवाना कांग्रेस का काम है? जब असमिया और बागान में झगड़ा होगा, तो बांग्लादेशी मियां को फायदा होगा। जब असमिया और गोरखाओं

में झगड़ा होगा, तो बांग्लादेशी मियां को फायदा होगा। जब असमिया और बोरो में झगड़ा होगा, तो बांग्लादेशी मियां को फायदा होगा। क्या जयंत बोरा का हिमंत विश्व शर्मा से यह कहना गलत है कि उन्होंने सही दिशा में सही टिकट नहीं दिया है, बाबा आप सही दिशा में जमीन खरीदें और सही दिशा में बेचें ?ईडी ही असली मुद्दा है। कांग्रेस कब से मुझे डरा रही है? आज ये होगा, कल वो होगा। मैंने कांग्रेस को अंगूठा दिखा दिया है। गौरव गोगोई को अंगूठा, राहुल गांधी को अंगूठा, मैं पवन खेड़ा पवन पेरा बना दूंगा। इधर हेमंत सुरेन आए हैं, मुझे बहुत खुशी है। मैं झारखंड गया था, वहां न घर हैं, न अच्छी सड़कें हैं, न अच्छे स्कूल हैं, न नौकरियां हैं। हेमंत सोरेन असम आए और हमारी प्रगति देखी। अगर झारखंड कुछ करता है तो उसका स्वागत होगा। राजीव या राहुल का दिमाग खराब हो गया है। वो माइक पर चिल्लाते हुए कहते हैं कि वो दुनिया चला रहे हैं। अगर आप हमारे साथ बहस में शामिल होंगे, तो इस बार आपको नतीजे देखने को मिलेंगे। 16 ने भी यही बात कही थी जब उसने शून्य खाया था। 21 ने भी वही शून्य खाया। इस बार भी मैं तुम्हें एक रसगुल्ला खिलाऊंगा। आज हमने गौरव गोगोई के 100,000 करोड़ रुपए भी निकाले। सर्टिफिकेट भी उसी कंपनी ने जारी किया था। कांग्रेस का सुबह से ही चुप है। उन्होंने कल थोड़ा-बहुत दिखावा किया, लेकिन वे हिमंत बिश्व शर्मा को बिना सोचे-समझे इतनी आसानी से नहीं हटा सकते।

कोकराझाड़ में शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रशासन ने निकाली जागरूकता रैली

कोकराझार (विभास)। असम विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कोकराझार जिला प्रशासन ने 9 अप्रैल को होने वाले मतदान को लेकर अपनी कमर कस ली है। जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था और मतदाता जागरूकता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में निकली रैली। सोमवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत कोकराझार शहर में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का नेतृत्व जिला आयुक्त पी. उदय प्रवीण और पुलिस अधीक्षक अक्षत गर्ग ने किया। रैली के माध्यम से नागरिकों से लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और बिना किसी डर के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। मतदान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट पर है। रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शिरकत की। पुलिस अधीक्षक अक्षत गर्ग ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं ताकि मतदाता सुरक्षित महसूस करें और मतदान केंद्रों पर

किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। जागरूकता रैली की मुख्य उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना और सुरक्षा का भरोसा दिलाना। वहीं जिला आयुक्त ने युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले वोटरों से भारी संख्या में निकलने की अपील की। प्रशासन द्वारा संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ा दी गई है और सोशल मीडिया के जरिए भी *वोट देने के अधिकार* का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। कोकराझार प्रशासन का लक्ष्य इस बार जिले में रिकॉर्ड मतदान प्रतिशत हासिल करना है।

संपादकीय

जरूरतों तक विकास

विकास महज योजना नहीं, सतत प्रयास की निरंतरता है। योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ। सरकार एड़ी चोटी का प्रयास करते हुए मेडिकल कालेजों में सुविधाएं बढ़ा रही है, लेकिन चिकित्सा का मूल आधार डिस्पेंसरी से शुरू होता है। यही आवश्यकता निजी क्षेत्र की उपलब्धि बन जाती है। हिमाचली मरीज के समीप मेडिकल कालेज हमेशा खड़ा नहीं होगा, बल्कि चिकित्सकीय निकटता के लिए अब डिस्पेंसरी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में तत्परता चाहिए। निजी अस्पताल अपनी कोशिश को इतना भरोसेमंद बना देते हैं कि मरीज इस एहसास को अंगीकार कर लेता है। विकास में समय और समय सीमा में विकास के अर्थ को हिमाचल में समझने की जरूरत है। उदाहरण के लिए हिमाचल में पर्यटक सीजन शुरू है, तो इस समय को रेखांकित करने की तत्परता कहां है। सदन में बहस के दौरान हर विधायक किसी न किसी तरह के विकास, योजनाओं या परियोजनाओं पर केंद्रित रहा, लेकिन किसने पर्यटन के रथ पर बैठ कर विकास की योजनाओं को इंगित किया। हमारा दस्तूर अब विकास की खिचड़ी है, चाहे इसमें वास्तविक सामग्री हो या न हो। एक सरकार भवन बनाती रही, तो दूसरी के आने के बाद मालूम हुआ कि इनमें से हजार बेकार हैं, लेकिन जहां आवश्यकता है वहां बनाती नहीं। धर्मशाला में एक दशक से सब स्टैंड का निर्माण प्रयासरत है, लेकिन बनता नहीं। यहां उस सतत प्रयास की तारीख करें कि फिर भी एक स्वर्गीय नेता के नाम पूरा परिसर हो जाता है। इसी धर्मशाला में प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन के प्रस्ताव में दस करोड़ के करीब खर्च हो जाते, लेकिन आज तक एक भी फूल खिला नहीं। कान्वेंशन सेंटर देगची पर चढ़ी खिचड़ी हो गया, तो विकास से पहले जहां सींग उगते हैं, उन परियोजनाओं पर रहम कौन करेगा। हम किसी भाजपा के विधायक से सुनेंगे, तो विकास गुजरे जमाने की दास्तान है और सत्तारूढ़ दल के विधायक बताते रहेंगे कि कितने कोस चल चुके हैं। हमने स्मार्ट सिटी के तहत शिमला-धर्मशाला की जागीर खोद दी। शिमला के शृंगार में लोहे का इस्तेमाल किसके आंचल में छेद कर रहा है, यह देखने की फुर्सत नहीं। धर्मशाला के स्मार्ट रोड के डक्ट में बहती गंदगी, एक नया अवतार है। आश्चर्य यह कि कहीं भवनों पर पेड़ उगे हैं, तो कहीं मिट्टी के ढेर लगे हैं। विकास की पैमाइश में ठेकेदारी प्रथा बदल गई। अधूरी संरचना, मलबे के ढेर और बिलों के भुगतान से खतरा यह कि निर्माण अब दर्द देता है। नगर निगम तो बढ़ गए, लेकिन शहरी जरूरतों के खाके में न सपने हैं और न ही सपनों को पूरा करने का बंदोबस्त। बेशक कारवां बढ़ा हो गया, लेकिन मंजिल का पता नहीं। हमें यह पता है कि विकास के उच्चारण में कुछ ईंटें उठा लो, भले ही जरूरत का इंतखाब हो या न हो। हिमाचल के कितने सरकारी कार्यालयों के पास माकूल पार्किंग सुविधा है और अगर नहीं है, तो हमारी योजना क्या है। कितने गांवों से शहरों तक हम सामुदायिक मैदान चाहिएं, लेकिन हमारी योजना कहां है। जरूरतें जहां चीख रही हैं, वहां हमारे विकास का इंतखाब नहीं।

योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ।

कुछ अलग

फिल्म चालू करो...

अचानक सिनेमा हाल के मालिक परेशान हो गए। देश में अब ऐसी फिल्में बनने लगी हैं, जिन्हें देखते ही दर्शक असामान्य हो जाते हैं। थियेटर में ऐसी फिल्मों के आते ही दर्शकों का ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। दर्शक कलाकार बन जाते हैं और जोश में थियेटर अखाड़ा बन जाता। फिल्मों में आए नए-नए मनोरंजन से सिनेमा हाल मालिकों के होश फाख्ता हैं। हालांकि कुर्सी युद्ध मशहूर है, लेकिन अब फिल्मों से थियेटर की कुर्सियां परेशान हैं। मांग यह है कि क्रांतिकारी फिल्में लगें, तो सुरक्षा के सारे इंतजाम सरकार ही करे। अंततः सरकार ने फैसला लिया कि जिन फिल्मों को वह अनुमोदित करेगी, उस फिल्म के जोखिम भी खुद उठाएगी। ऐसी फिल्में लगते ही इनके प्रदर्शन की इंश्योरेंस शुरू की गई। थियेटर मालिक अपनी तसल्ली और सुरक्षा के हिसाब से दक्षिण भारतीय, पंजाबी, भोजपुरी और बालीवुड की फिल्में लगाने लगे। माहौल शांत था, लेकिन एक फिल्म कहीं से फिर लौट आई। दावा था कि इस फिल्म को देखते ही दर्शक देशभक्त बन जाएगा। देश का संपूर्ण आत्मबल इस टोह में था कि फिल्म चले। घबरा तो थियेटर वाले रहे थे कि न जाने कहां तक चलेगी यह फिल्म और अंततः यह चल निकली। इस बार थियेटर से बाहर भी चलने लगी। देश को पहली बार फिल्म देखने की आदत सी हो गई। देश को नया ज्ञान, नया इतिहास और नया समाज पैदा करने में यह फिल्म कमाल करने लगी। देश अब खुद को फिल्मों में देखता और फिल्मों में ही सोचने लगा। अब तक की परेशानियां मनोरंजन में बदलने लगीं। देश ने अपने भीतर सारे बाजार-दरबार देखे। गर्जते हाथी, दहाड़ते शेर देखे। गिरती ट्रेनें, टूटते पुल देखे।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाइयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य : हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाइयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य: हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरुआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे। हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए, बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है। भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए। वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

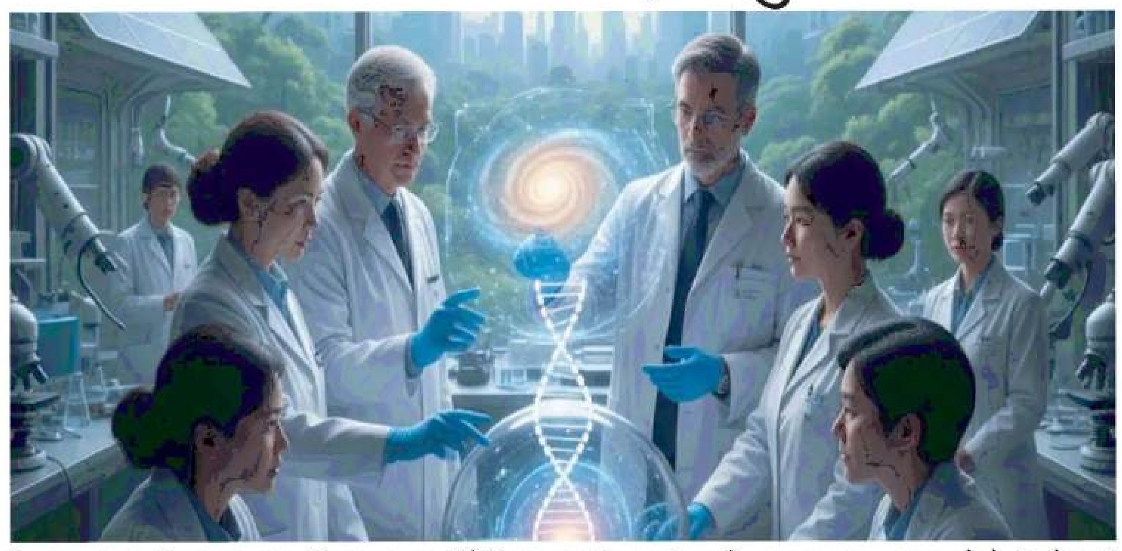

देश दुनीया से

स्क्रीन के युग में दम तोड़ती सुनने की संस्कृति

बीसवीं सदी मानव इतिहास की सबसे निर्णायक शताब्दियों में से एक रही है। यह वही सदी थी जिसने न केवल दो विश्व युद्धों की विभीषिका देखी बल्कि औपनिवेशिक शासन का अंत भी देखा। सर्वोपरि यह सदी आधुनिक तरक्की, ज्ञान व तकनीक की अभूतपूर्व प्रगति की साक्षी बनी। इसी सदी में मनुष्य ने न केवल विनाश के नए हथियार गढ़े, बल्कि संवाद और ज्ञान के ऐसे साधन भी विकसित किए, जिन्होंने समाज को जोडने का काम किया। इन्हीं सबों के बीच 'रेडियो' भी इसी सदी की एक ऐसी खोज थी, जिसने बिना शोर किए दुनिया की दिशा बदल दी। औपनिवेशिक बन्धनों से मुक्ति के बाद विश्व के अनेक देशों में रेडियो ने दशकों तक सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को बिना किसी शोर-शराबे के समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में अग्रिम भूमिका निभाई। बीसवीं सदी के प्रारम्भ में साक्षरता सीमित होने के कारण समाचारपत्र की पहुंच केवल कुछ वर्गों तक होने के कारण रेडियो ने श्रव्य माध्यम के रूप में क्रांति लाने का काम किया, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। एक छोटे से यंत्र ने घर-घर तक समाचार, राजनीतिक भाषण और घटनाएं पहुंचाई तथा दूरी व विलम्ब की बाधा को तोड़ते हुए रेडियो ने सूचना को तत्काल बना दिया। इससे न केवल समाज में जागरूकता का एक नया दौर आरम्भ हुआ, अपितु दुर्गम गांव के घर-घर में देश दुनिया को जानने की एक अलख जग गयी। रेडियो का इतिहास केवल तकनीकी विकास की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की गाथा भी है। उन्नीसवीं सदी के अंत में रेडियो तरंगों की खोज तथा बीसवीं सदी में इसके प्रसारण की शुरुआत ने दुनिया को पहली बार यह एहसास कराया कि आवाज सीमाओं की मोहताज नहीं होती। वहीं भारतवर्ष ने भी रेडियो तरंगों को वर्ष 1927 में रेडियो प्रसारण की शुरुआत से तथा वर्ष 1936 में ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना से राष्ट्रीय संवाद का माध्यम बनाया। तत्पश्चात आजादी की लड़ाई में भी रेडियो ने मूक जनता को स्वर देकर तीतर-बीतर जनसमूह को स्वतंत्रता के सांझा लक्ष्य से जोडने में अग्रिम भूमिका निभाई। इतना ही नहीं स्वतंत्रता संघर्ष में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा संचालित आजाद हिंद रेडियो ब्रिटिश शासन के विरुद्ध वैचारिक संघर्ष का सशक्त माध्यम बना। रेडियो ने न केवल समाचार प्रदान किए, बल्कि जनता के भीतर साहस व एकजुटता का भी संचार किया। न केवल आजादी बल्कि आजादी के बाद भी रेडियो ने राष्ट्र निर्माण के मार्ग प्रशस्त किए। यह वह दौर था जब देश में साक्षरता सीमित थी और संसाधनों की कमी थी, तब रेडियो शिक्षा और सूचना का सबसे भरोसेमंद एवं सशक्त माध्यम के रूप में सामने आया। कृषि कार्यक्रमों से लेकर स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक रेडियो ने समाज को जागरूक तथा जोडने का कार्य किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न देशों के बीच आपसी संघर्ष के समय सूचना, प्रचार और मनोबल का सबसे प्रभावी माध्यम भी रेडियो ही था। युद्ध की भयावहता के बीच रेडियो ने युद्ध में संलग्न सैनिकों तथा डरी हुई जनता के लिए आशा की आवाज के रूप में काम किया। इससे भी बढ़कर समाचार माध्यम के रूप में रेडियो विश्वसनीयता और संयम की मिसाल थी। रेडियो समाचारों में सनसनी नहीं, बल्कि संतुलन होता था। वहीं देश-दुनिया की घटनाएं भी तथ्यात्मक ढंग से प्रस्तुत की जाती थीं। वर्तमान में न तो सूचना की कमी है और न ही सूचना के स्त्रोतों की। बावजूद इसके समाज में भ्रम बढ़ता प्रतीत हो रहा है। ऐसे में रेडियो पत्रकारिता की उस परंपरा को याद करना आवश्यक है जहां सूचना का उद्देश्य जागरूकता था, न की उत्तेजना और भ्रम। अगर खेल की बात करें तो क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेल रेडियो पर केवल सुने नहीं, बल्कि महसूस किए जाते थे। कमेंटेटर की आवाज और उसकी शब्द-चित्रण क्षमता श्रोताओं की कल्पना को सक्रिय करती थी। पूरा गांव या मोहल्ला एक ही रेडियो के इर्द-गिर्द मैच सुनता था। आज तकनीक ने दृश्य तो दे दिए हैं, लेकिन वह सामूहिक अनुभव और धैर्य को हमसे छीन लिया है। आज जब मोबाइल फोन और अन्य यंत्रों ने रेडियो की जगह ले ली है, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमने एक उपयोगी माध्यम के बदले समय खा जाने वाली तकनीक को अपना लिया है। रेडियो की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह मनुष्य से उसका समय नहीं छीनता था। रेडियो सुनते हुए लोग अपने दैनिक कार्य करते थे। खेतों में काम करते किसान, रसोई में व्यस्त गृहणियां, दुकानों एवं कार्यस्थलों पर श्रमिक व हरेक व्यक्ति रेडियो-जीवन की लय में शामिल रहता था, लेकिन रेडियो कभी बाधा नहीं बना। वह न तो आंखों पर दबाव डालता था और न ही ध्यान भटकाता था। इसके विपरीत मोबाइल फोन व संबंधित यंत्र मनुष्य का पूरा ध्यान मांगते हैं और उसे स्क्रीन के सामने स्थिर कर देते हैं। जिससे हम दुनिया से तो वर्चुअल माध्यम से जुड रहे हैं, लेकिन वास्तविक रूप से एक घर के अंदर भी जुड़ पाने में सक्षम नहीं हैं। समय के साथ मोबाइल फोन और इंटरनेट का तेज विस्तार हुआ और रेडियो धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में चला गया। वास्तव में मोबाइल ने रेडियो के साथ-साथ मनुष्य का खाली समय भी निगल लिया। रेडियो जहां काम के साथ चलता था, वहीं मोबाइल हमें किसी काम का नहीं रखता। आज सूचना का तो अंबार है, लेकिन वास्तविक ज्ञान का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वहीं आवाजें तो बहुत हैं, लेकिन सुनने का धैर्य नहीं। रेडियो का ठहराव, उसकी शालीनता और उसकी सीमाएं आधुनिक डिजिटल माध्यमों में दुर्लभ हो चुकी हैं, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। यूं कहें कि रेडियो केवल एक यंत्र नहीं, बल्कि एक संस्कार के रूप में प्रचलित था। वह आवाज की वह क्रांति था जिसने अपने दौर में बिना शोर किए समाज को दिशा देने में अहम योगदान दिया। शायद अब समय आ गया है कि हम रेडियो को केवल अतीत की वस्तु न मानें, बल्कि उससे सीख लेकर तकनीक और समय के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील रहें, जिसमें ही भावी पीढ़ी का हित निहित है।

औपनिवेशिक बन्धनों से मुक्ति के बाद विश्व के अनेक देशों में रेडियो ने दशकों तक सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को बिना किसी शोर-शराबे के समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में अग्रिम भूमिका निभाई। बीसवीं सदी के प्रारम्भ में साक्षरता सीमित होने के कारण समाचारपत्र की पहुंच केवल कुछ वर्गों तक होने के कारण रेडियो ने श्रव्य माध्यम के रूप में क्रांति लाने का काम किया, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी।

आप का नजरीया

टूटेगा ट्रंप का दंभ

कमोबेश अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का गुरूर, उनका दंभ, अहंकार, उनकी सनक, सभी टूटने चाहिए। एक राष्ट्रपति की 'कब्जेबाजी मानसिकता' ने दुनिया को गरीबी, महंगाई, मंदी और अंततः भुखमरी के कगार पर लाकर पटक दिया है। ईरान युद्ध में राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे और मकसद चकनाचूर हो चुके हैं। बेशक अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान की हजारों इमारतें, कल-कारखाने, सैन्य मुख्यालय, शस्त्रागार, 30 विश्वविद्यालय, शहर-दर-शहर मिट्टी-मलबा कर दिए हों, लेकिन ईरान अब भी युद्ध-मैदान में खड़ा है, लड़ रहा है। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर अपना पूरा कब्जा कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और ऊर्जा-अकाल के हालात पैदा कर दिए हैं। अमरीका भी महंगाई से चिल्ला रहा है। जनता सडकों पर आंदोलित है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप चेतावनी दे रहे हैं कि यदि 6 अप्रैल तक होर्मुज नहीं खुला और ईरान ने डील नहीं की, तो ईरान पर कहर बरपेगा। ईरान इन धमकियों से नहीं डरता, बल्कि उसने अमरीका के एक ही दिन में 10 लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन आदि मार गिराए। एक अमरीकी पायलट लापता हो गया था, जो अब सुरक्षित मिल गया है। अब ईरान के आसमान पर ईरान का ही कब्जा है। अमरीकी लड़ाकू विमान 'एफ' श्रेणी के हैं, जिन्हें अमरीकी वायु-शक्ति की रीढ़ माना जाता रहा है। दुनिया अभी तक उन्हें 'अजेय' और संहारक मानती रही थी। उनमें परमाणु क्षमताएं भी हैं और वे दुश्मन के रडार को 'चकमा' देने में भी माहिर माने जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि ईरान ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली की मिसाइलों से अमरीकी विमानों को धूल चटाई है। यह ईरान की वायु रक्षा प्रणाली है अथवा रूस की एस-400 को 'ईरानी नाम' दिया गया है? विमानों का तो अहंकार धराशायी हो चुका है, लेकिन अमरीका के पेंटागन ने भी स्वीकार किया है कि ईरान युद्ध में उसके 365 सैनिक घायल हुए हैं, जबकि 13 सैनिक मारे जा चुके हैं। घायल सैनिकों में 247 तो थलसेना के हैं, जबकि अमरीका ने विधिवत रूप से जमीनी ऑपरेशन की शुरुआत अभी करनी है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी सुरक्षा-टीम के साथ न केवल आपात बैठक करनी पड़ी, बल्कि उसने बिचौलियों के जरिए 48 घंटे के युद्धविराम की पेशकश भी की, जिसे ईरान हुकूमत ने खारिज कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप का यह 'चरम दंभ' ही है कि उन्होंने ईरान को 'पाषाण-युग' में धकेलने का बयान दिया है। शायद अमरीकी राष्ट्रपति यह नहीं जानते कि ईरान 5-6 हजार साल पुरानी सभ्यता है। अमरीका तो 1776 में पैदा हुआ है। सिकंदर और चंगेज खां जैसे आक्रांता भी ईरान को हासिल नहीं कर सके, तोड़ नहीं सके। इतिहास में दर्ज है कि ईरान कई बार बर्बाद हुआ है, मिट्टी-मलबा होता रहा है, लेकिन उसने पुनर्निर्माण किया है और आज वह परमाणु शक्ति बनने के बेहद करीब है। गुरूर ट्रंप का टूटना चाहिए, जिसने 139.5 लाख करोड़ रुपए (1.5 ट्रिलियन डॉलर) का नया रक्षा बजट मांगा है और प्रस्ताव अमरीकी कांग्रेस (संसद) को भेजा है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा रक्षा बजट है। राष्ट्रपति ट्रंप करीब 42 फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहते हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, विदेशी सहायता आदि के बजट में करीब 73 अरब डॉलर की कटौती के पक्ष में हैं। नतीजतन अमरीका पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। पहले ही अमरीका 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है। अमरीका ईरान की नई युद्ध नीति से 'अलर्ट' हो गया है, लेकिन उसके लिए अब युद्ध में रखा क्या है? दुनिया में फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली, स्पेन, ब्रिटेन समेत भारत सरीखे देश चौतरफा दबाव में हैं, क्योंकि होर्मुज बंद है और खाड़ी देशों के तेल-गैस ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए हैं, लिहाजा विश्व ऊर्जा की बूंद-बूंद को तरस रहा है। भारत को ऑनस्पॉट कच्चे तेल के दाम 141.36 डॉलर प्रति बैरल देने पड़ रहे हैं, जबकि वायदा कीमत 109.03 डॉलर की है। बहरहाल, यह युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए।

राष्ट्रपति ट्रंप चेतावनी दे रहे हैं कि यदि 6 अप्रैल तक होर्मुज नहीं खुला और ईरान ने डील नहीं की, तो ईरान पर कहर बरपेगा। ईरान इन धमकियों से नहीं डरता, बल्कि उसने अमरीका के एक ही दिन में 10 लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन आदि मार गिराए। एक अमरीकी पायलट लापता हो गया था, जो अब सुरक्षित मिल गया है। अब ईरान के आसमान पर ईरान का ही कब्जा है। अमरीकी लड़ाकू विमान 'एफ' श्रेणी के हैं, जिन्हें अमरीकी वायु-शक्ति की रीढ़ माना जाता रहा है। दुनिया अभी तक उन्हें 'अजेय' और संहारक मानती रही थी। उनमें परमाणु क्षमताएं भी हैं और वे दुश्मन के रडार को 'चकमा' देने में भी माहिर माने जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि ईरान ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली की मिसाइलों से अमरीकी विमानों को धूल चटाई है। यह ईरान की वायु रक्षा प्रणाली है अथवा रूस की एस-400 को 'ईरानी नाम' दिया गया है? विमानों का तो अहंकार धराशायी हो चुका है, लेकिन अमरीका के पेंटागन ने भी स्वीकार किया है कि ईरान युद्ध में उसके 365 सैनिक घायल हुए हैं, जबकि 13 सैनिक मारे जा चुके हैं।

दृष्टि कोण

आर्थिक और उन्नत परमाणु शक्ति बने भारत

यकीनन इस समय पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में बढ़ते हुए युद्ध के दौर के बीच भारत की सीमाएं बढ़ती भूराजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक संवेदनशील हो गई हैं। हाल ही में अमरीका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड के द्वारा प्रस्तुत 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान के द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया और अमरीका के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है। ऐसे में भारत के लिए आर्थिक शक्ति के साथ उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित मजबूत सैन्य शक्ति बनने की आवश्यकता उभरकर दिखाई दे रही है। हाल ही में जहां बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत तेज रफ्तार से विकास करते हुए वर्ष 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, वहीं संसदीय रक्षा समिति की रिपोर्ट में भविष्य के युद्धों में भारत की निर्णायक भूमिका के मद्देनजर भारत को स्वदेशी ड्रोन और ड्रोन रोधी तकनीकों का हब बनाए जाने की जरूरत बताई गई है। गौरतलब है कि भारत के पड़ोस में पाकिस्तान के द्वारा आधुनिक चीनी हथियारों से आतंक और घुसपैठ को प्रश्रय और चीन की ओर से सीमा पर आपत्तिजनक गतिविधियां भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हो गई हैं। जहां लद्दाख में चीन ने भारतीय क्षेत्र के कुछ भागों पर कब्जा कर रखा है, वहीं अब चीन की नजर कराकोरम दर्रे पर भी है। जहां चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पकड़ मजबूत करने की राह पर आगे बढ़ा है, वहीं वह हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' के जरिए भारत को घेरते हुए दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 7 मई से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को साइबर स्पोर्ट, उपग्रह के जरिए खुफिया जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है। यह पूरा परिदृश्य भारत के लिए दशकों से चली आ रही शांतिप्रियता की नीति में आमूलचूल बदलाव की जरूरत बता रहा है। निःसंदेह कई दशकों से भारत पंचशील के वाहक देश के रूप में विदेशी आतंक और विदेशी अतिक्रमणों को भी धैर्यपूर्वक सहन करने की मानसिकता के साथ आगे बढ़ता रहा है, लेकिन हाल ही के वर्षों में ऐसी मानसिकता में बहुत कुछ बदलाव आया है। निःसंदेह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक पिछले 12 वर्षों में सरकार ने एक ओर आर्थिक तो दूसरी ओर सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। अब भारत को यह दृढ़ता से स्वीकार करना होगा कि भारत के साथ पड़ोसियों के टकराव की स्थिति और बढ़ सकती है। ऐसे में भारत के लिए तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने, मजबूत सैन्य शक्ति व उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने के लिए रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी दिखाई दे रहा है।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में कारगर साबित हो रही लाडो प्रोत्साहन योजना

बालिका को जन्म के साथ ही मिल रहा 1.5 लाख रुपए का संकल्प पत्र

जोधपुर (हिंस)। महिला सशक्तीकरण की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में एक अगस्त 2024 से प्रारंभ की गई लाडो प्रोत्साहन योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में बालिकाओं के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करना एवं उनके स्वास्थ्य तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार लाना है। योजना अंतर्गत मिलने वाली राशि को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 12 मार्च 2025 को एक लाख रुपए से बढाकर डेढ़ लाख रुपए किया गया, अब बालिका के जन्म पर डेढ़ लाख की राशि के संकल्प पत्र प्रदान किए जा रहे है, जिनका संपूर्ण भुगतान 7 किस्तों के माध्यम से ऑनलाइन किया जा रहा है। लाडो प्रोत्साहन योजना में बालिका के जन्म पर 1.50 लाख रुपए राशि का संकल्प पत्र प्रदान किया जाता है। बालिका के जन्म से लेकर 21 वर्ष आयु पूरी करने तक राशि का भुगतान 7 किस्तों में डीबीटी के माध्यम में ऑनलाईन किया जा रहा है। पहली छह

किश्तें बालिका के माता-पिता अथवा अभिभावक के बैंक खाते में तथा 7वीं किस्त बालिका के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाइन हस्तांतरित की जा रही है। राजश्री योजना को लाडो प्रोत्साहन योजना में समाहित करते हुए इस योजना की आगामी किश्तों का लाभ पात्रतानुसार लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत देय है। चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार पात्र चिकित्सा संस्थानों में संस्थागत प्रसव के तहत बालिका का जन्म होने पर पहली किश्त 2500 रुपए, आयु एक वर्ष एवं समस्त टीकाकरण होने पर दूसरी किस्त 2500 रुपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में पहली कक्षा में प्रवेश लेने पर तीसरी किस्त 4000 रुपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में छठी कक्षा में प्रवेश लेने पर चौथी किस्त 5000 रुपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में 10वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर पांचवी किस्त 11, 000 रुपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में 12वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर छठी किस्त 25, 000 रुपए तथा राजकीय एवं राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 7वीं किस्त 1 लाख रुपए बालिका के बैंक खाते में ऑनलाईन ट्रांसफर होगी। योजना के पात्रता के तहत बालिका का जन्म राजकीय चिकित्सा संस्थान अथवा जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाय) के लिए अधिस्वीकृत निजी चिकित्सा संस्थान में होना आवश्यक है। साथ ही, प्रसूता का राजस्थान की मूल निवासी होना भी जरूरी है। गर्भवती महिला की एएनसी जांच के दौरान राजस्थान की मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र अथवा विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक खाते का विवरण आदि दस्तावेज प्राप्त कर उनका चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संधारण किया जा रहा है और पीसीटीएस पोर्टल पर विवरण दर्ज किया जाएगा। संस्थागत प्रसव के तहत बालिका का जन्म होने के बाद प्रथम किस्त का लाभ बालिका की माता या माता के नहीं होने पर पिता के बैंक खाते में देय होगा। माता-पिता दोनों नहीं रहे तो अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाईन हस्तांतरण होगा।

कर्ज में डूबे सरकारी शिक्षक ने गैंगस्टर बन व्यापारियों से मांगी 1.40 करोड़ की फिरौती

बांसवाड़ा (हिंस)। बांसवाड़ा शहर में दो प्रतिष्ठित व्यापारियों को जान से मारने की धमकी देकर करोड़ों रुपए की फिरौती मांगने वाले आरोपी को राजतालाब थाना पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पकड़ा गया आरोपी विकेश कुमार कमोल पुत्र कालिया कमोल है, जो कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चुडादा में द्वितीय श्रेणी गणित का अध्यापक है। इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब बीती 30 मार्च 2026 को आरोपी ने व्यापारियों को हस्तलिखित पत्र भेजकर भारी रकम की मांग की थी। आरोपी ने एक व्यापारी की दुकान के शटर के नीचे पत्र डालकर और दूसरे के फार्म हाउस पर कर्मचारी के जरिए धमकी पहुंचाई थी, जिसमें खुद को बड़ा गैंगस्टर बताते हुए पैसे न देने पर परिवार और संपत्ति को खत्म करने की चेतावनी दी गई थी। आरोपी ने व्यापारियों से 90 लाख और 50 लाख रुपए की मांग करते हुए उन्हें भोयन घाटी पर पानी की टंकी के पास नीम के पेड़ के नीचे रखने को कहा था।

भाजपा ने भारतीय राजनीति की दिशा और दशा को दिया नया आयाम : शेखावत

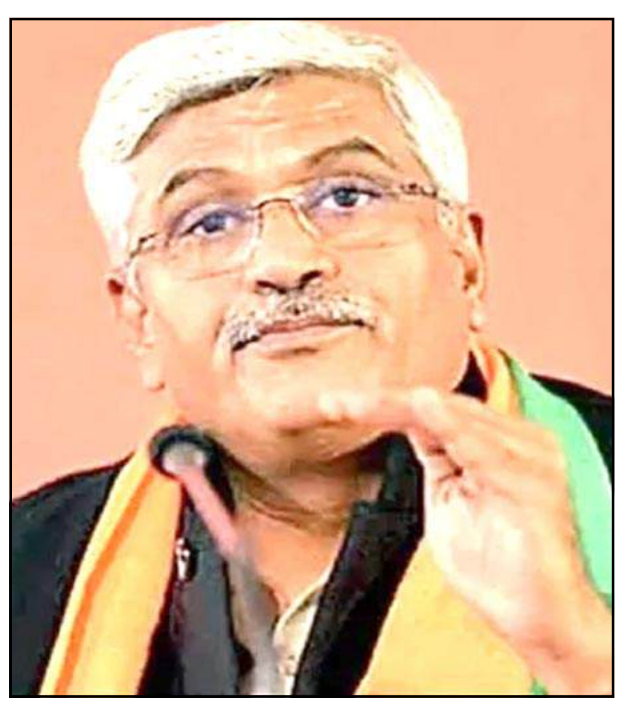

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को बधाई शुभकामना देते हुए कहा कि छह अप्रैल एक ऐसा ऐतिहासिक दिन है जब भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई, एक ऐसी पार्टी, जिसने भारतीय राजनीति की दिशा और दशा को नया आयाम दिया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने सोशल मीडिया पर विचार रखे और कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं. दीनदयाल उपाध्याय के राष्ट्रवाद और अंत्योदय के विचारों को आत्मसात करते हुए, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने अपनी मजबूत नींव रखी। वर्षों के कठिन परिश्रम, करोड़ों कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत और 140 करोड़ देशवासियों के विश्वास के बल पर आज यह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। आज भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ आगे बढ़ रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट : राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की जूनियर असिस्टेंट की नियुक्ति पर रोक

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की जूनियर असिस्टेंट की नियुक्ति पर राजस्थान हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। मामले की अगली अगली सुनवाई एक मई को होगी। वहीं सुनवाई में रेस्पोंडेंट पक्ष के वकील के बार-बार समय मांगने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकील आनंद शर्मा और वकील अरविंद कुमार शर्मा ने पैरवी की। अधिवक्ता आनंद शर्मा ने कोर्ट को बताया कि भर्ती प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने न्यायालय के सामने यह तथ्य रखा कि भर्ती का परिणाम कई बार बिना किसी स्पष्ट कारण के संशोधित किया गया, जबकि विज्ञप्ति में स्पष्ट प्रावधान था कि मुख्य परीक्षा और टाइपिंग टेस्ट के अंकों को जोड़कर अंतिम मेरिट बनाई जाएगी। अभ्यर्थियों के टाइपिंग टेस्ट के अंक जोड़े ही नहीं गए, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है। साथ ही यह भी बताया गया कि पहले जारी दस्तावेज सत्यापन सूची में शामिल अभ्यर्थियों को बाद में बिना किसी कारण बाहर कर दिया गया, जिससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए संबंधित सभी पदों को रिजर्व रखने के निर्देश दिए हैं।

बिहार के नांलदा में एनआईए एटीएस का संयुक्त छापा

पटना (हिंस)। बिहार में नालंदा जिले के लहेरी थाना क्षेत्र अंतर्गत लहेरी मोहल्ला में एक बंदूक की दुकान और ज्वेलरी दुकान समेत 10 जगहों पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की टीम ने सोमवार सुबह चार बजे छापा मारा। यह कार्रवाई अभी भी जारी है। जानकारी के अनुसार, यह छापेमारी हथियार तस्करी गिरोह के नेटवर्क को खंगालने के लिए की जा रही है। जिले के *पीके गन हाउस* समेत कई ठिकानों पर दबिश दी गई है। दुकान के अंदर रखे गए हथियारों के नंबर और स्टॉक का मिलान किया जा रहा है। जांच टीम लहेरी थाना क्षेत्र में रामप्रवेश कुमार के *पीके गन हाउस,* चिकसौरा थाना के मिर्जापुर गांव और हिलसा थाना के राममूर्ति नगर में एक साथ छापेमारी कर रही है। इस ऑपरेशन में लगभग 100 पुलिस पदाधिकारी शामिल हैं। हालांकि, सुरक्षा कारणों से स्थानीय थाने को इस छापेमारी की पूर्व जानकारी नहीं दी गई। इस पूरे अभियान को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है और अधिकारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। लहेरी थाना अध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि उन्हें वरीय अधिकारियों से पत्र प्राप्त हुआ था, जिसके आधार पर उनके थाने के दो पुलिस पदाधिकारी इस कार्रवाई में शामिल किए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि छापेमारी किसके नेतृत्व में और किन कारणों से की जा रही है, इसकी जानकारी उन्हें भी नहीं दी गई है।

नई शिक्षा नीति से विज्ञान और अनुसंधान में देश होगा उन्नत : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

सोनीपत (हिंस)। सोनीपत के मुरथल स्थित दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आठवां दीक्षांत समारोह सोमवार को आयोजित हुआ। समारोह के दौरान कुल 750 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के साथ युवाओं को विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़कर देश की प्रगति में योगदान देना चाहिए। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने मंच से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस समारोह में शामिल होना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा धर्मयुद्ध की धरती रही है और दीनबंधु छोटूराम के आदर्श आज भी समाज को प्रेरित कर रहे हैं। छोटूराम ने किसानों और ग्रामीण समाज को आगे बढ़ाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश के विकास में बड़ा योगदान दिया। उपराष्ट्रपति ने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्राओं को स्वर्ण पदक मिलना देश के लिए गर्व की बात है। उन्होंने हरियाणा में पिछले वर्षों में लिंगानुपात में सुधार को सराहनीय बताया और कहा कि यह समाज की सकारात्मक दिशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यहां से डिग्री लेकर निकलने वाले विद्यार्थियों का लक्ष्य देश को आगे बढ़ाना होना चाहिए और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवाओं के बिना किसी भी विकसित राष्ट्र की कल्पना संभव नहीं है। नशे के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि परिवार और राष्ट्र को भी नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज के लिए प्रेरणा बनने का आह्वान किया। उपराष्ट्रपति ने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने कठिन समय में वैक्सीन बनाकर विश्व को नई दिशा दी। देश के लोगों को निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध कराई गई और अन्य देशों को भी सहायता दी गई। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि हार और जीत जीवन का हिस्सा हैं। अनुशासन और निरंतर प्रयास से ही सफलता मिलती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सत्य और धर्म की भूमि है, जहां मेहनत और साहस की परंपरा रही है। युवाओं को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनना चाहिए। दूसरों से तुलना करने के बजाय उनसे सीखना सफलता की कुंजी है। समारोह के अंत में उपराष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री की नीतियों की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह उत्साह और प्रेरणा के वातावरण में संपन्न हुआ।

इस्टीमेट मंगाइए, इलाज खर्च में सरकार करेगी भरपूर मदद : सीएम योगी

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वे उच्चीकृत अस्पताल से इस्टीमेट मंगवा लें, इलाज खर्च में सरकार भरपूर आर्थिक मदद करेगी। सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए यदि कोई पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। कैंसर से पीड़ित अपने परिजन के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंची एक महिला से मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चीकृत सरकारी अस्पताल में मरीज को दिखाकर इस्टीमेट मंगवा लीजिए। इलाज में पूरी मदद की जाएगी। जनता दर्शन में एक बिटिया ने कमजोर पारिवारिक आर्थिक स्थिति का जिक्र कर पढ़ाई के लिए फीस जमा करने में आ रही बाधा की बात मुख्यमंत्री को बताई। इस पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बिटिया की स्कूली फीस की व्यवस्था की जाए। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर से आई एक जरूरतमंद महिला को पेंशन और अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए।

अमृतसर में पाकिस्तान निर्मित दो हैंड ग्रेनेड बरामद, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) विंग ने दो आर्गस हैंड ग्रेनेडों और एक विदेशी ग्लॉक पिस्तौल बरामद करने के साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद किए गए ग्रेनेडों पर पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री (पीओएफ) की मार्किंग है, जो हथियार तस्करों से सीमा पार के संबंधों को दर्शाती है। पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश करने की जानकारी सोमवार को पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। उन्होंने बताया कि तरन तारन के गांव अम्मीशाह निवासी सरबजीत सिंह, अमृतसर के गांव नंगल पन्नूआं निवासी बिक्रमजीत सिंह और अमृतसर की इंद्रा कॉलोनी निवासी अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है।

भाजपा ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस, झंडारोहण किया

जोधपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्थापना दिवस सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान शहर में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित हुए। भाजपा राजस्थान के प्रदेश निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण दक्षिण जोधपुर के आयकर कॉलानी बीजेएस स्थित जिला कार्यालय में आज सुबह झंडारोहण किया गया। जिसमें भारतीय जनता पार्टी ग्रामीण दक्षिण जोधपुर के जिला अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने जिला कार्यालय पर भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष के साथ भारतीय जनता पार्टी का झंडा फहराया। झंडा फहराने के तत्पश्चात सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर भारतीय जनता पार्टी स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई दी। वहीं भाजपा जोधपुर शहर जिला शास्त्री नगर मंडल में स्थापना दिवस के अवसर पर पटाखे फोड़ कर और मुंह मीठा करवा कर सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल के निर्देश अनुसार जिला मंत्री वरुण धनाडिया, शास्त्री नगर मंडल अध्यक्ष अमित सिंघाटिया व अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसी

तरह लालसागर मंडल कार्यालय स्थित मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह भाटी के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी व भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात मंडल कार्यालय में भाजपा का झंडा फहराकर स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर सुभाष गहलोत, लीलावती भाटी, महेश व्यास, शम्भु प्रकाश दाधीच, राधेश्याम सोनी, अजयपाल सिंह भाटी, मुकेश सांखला, नेमीचंद सैन, खेमसिंह चारण, महिपाल सिंह ताम्बड़िया, सचिन वैष्णव एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आधुनिक सेवाओं से लैस अतिथि शाला का किया उद्घाटन

पटना (हिंस)। बिहार की राजधानी पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को एमएलसी क्वार्टर परिसर में नवनिर्मित आधुनिक अतिथिशाला का उद्घाटन किया। इस अतिथि शाला में पुस्तकालय, जलपान गृह समेत कई सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे जनप्रतिनिधियों और आगंतुकों को बेहतर व्यवस्था मिल सकेगी। कार्यक्रम में दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद रहे। इसके अलावा विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार मंत्री विजय चौधरी और अशोक चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल हुए। बताया गया कि यह नई अतिथि शाला आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जिससे राज्य के जनप्रतिनिधियों को ठहरने और कार्य करने में सुविधा मिलेगी।

बीकानेर में मनाया गणगौर उत्सव, विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

बीकानेर (हिंस)। माहेश्वरी महिला समिति, बीकानेर ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपना वार्षिकोत्सव गणगौर कार्यक्रम-2026 बड़े ही उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया। महिला समिति बीकानेर की प्रचारमंत्री निशा झंवर ने बताया कि यह उत्सव सदैव की भांति बीकानेर धनपतराय रोड स्थित नृसिंह भवन में संपन्न हुआ। महिला समिति की वर्तमान अध्यक्षा श्रेया देवी राठी ने बताया कि गणगौर उत्सव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माहेश्वरी समाज प्रमुख नृसिंह मिम्माणी रहे, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में साइबर सेल उपपुलिस अधीक्षक शालिनी बजाज भी उपस्थित थी। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति से पूर्व महिला समिति की ओर से समाज के युवक-युवतियों के लिए कनिष्ठ एवं वरिष्ठ दो वर्गों में गणगौर सम्बन्धित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के युवा वर्ग ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए आयोजित राजपूती ड्रेस प्रतियोगिता एवं घुड़ला सजावट प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमें महिलाओं द्वारा अपनी

राजपूती पोशाक तथा घर से श्रृंगारित घुड़लों का प्रदर्शन किया गया। गणगौर उत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मां गणगौर की सवारी के साथ प्रारंभ हुआ, जिसमें मां गवरजा की सवारी डागा चैक, बीके स्कूल से ढोल एवं ताशों की धुन के साथ विभिन्न माहेश्वरी मौहल्लों से होते हुए स्थानीय नृसिंह भवन पहुंची। मां गवरजा की सवारी के साथ-साथ जहां एक ओर महिला समिति की सभी सदस्याएं एक जैसी साड़ियां पहने हुए आकर्षण का केंद्र बन रही थी वहीं अपने हाथों में डांडियां लिए मां गवरजा के आगे-आगे घूमर नृत्य कर रही थी। महिला समिति उपसचिव रेणू झंवर, संगीता बिन्नाणी के अनुसार गणगौर सवारी के नृसिंह भवन पहुंचने पर सदैव की भांति महिला समिति की सभी सदस्याओं ने समिति अध्यक्षा श्रेया देवी राठी के नेतृत्व में संयुक्त रूप से मां गवरजा की पूजा-अर्चना कर खोल भरने की रश्म निभाई। समिति सलाहकार प्रभारी अंजली झंवर के अनुसार तत्पश्चात समिति अध्यक्षा ने आगंतुकों के लिए जहां अपने शब्दों से स्वागत किया वहीं निवर्तमान सचिव चन्द्रकला कोठारी ने समिति का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। गणगौर उत्सव कार्यक्रम से जुड़े माहेश्वरी समाज के सामाजिक संवाददाता पवन कुमार राठी ने बताया कि इस कार्यक्रम में बीकानेर की प्रमुख सभी माहेश्वरी समाज की संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे।

काशी से उमड़ा आस्था का सैलाब, बधावा लेकर रातभर शीतला धाम पहुंचे भगत

मीरजापुर (हिंस)। उप्र के मीरजापुर में अदलपुरा स्थित बड़ी मां शीतला धाम में रविवार रात आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब काशी से हजारों की संख्या में भगत *बधावा* लेकर मां के दरबार पहुंचे। रात 11 बजे से लेकर भोर तक श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर और घाट तक लगी रहीं। ढोल-नगाड़ों, डीजे और रोड लाइट की जगमगाहट के बीच नाचते-गाते श्रद्धालु *जय मां शीतला* के जयघोष के साथ धाम की ओर बढ़ते रहे। हाथों में फरहरा झंडा और दीप लिए महिला-पुरुष भगतों की टोली पूरे रास्ते भक्ति में डूबी नजर आई। अदलपुरा शीतला घाट फरहरा झंडों से पटा रहा, जहां हर ओर रंग-बिरंगे ध्वज और भक्ति का उत्साह दिखाई दिया। भगत गंगा स्नान के बाद मां के दरबार में

पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर बधावा अर्पित करते रहे। पूरी रात मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। भक्ति, संगीत और आस्था के संगम ने अदलपुरा शीतला धाम को एक बार फिर श्रद्धा के महाकुंभ में बदल दिया, जहां हर भक्त मां के दरबार में हाजिरी लगाकर धन्य होता नजर आया।

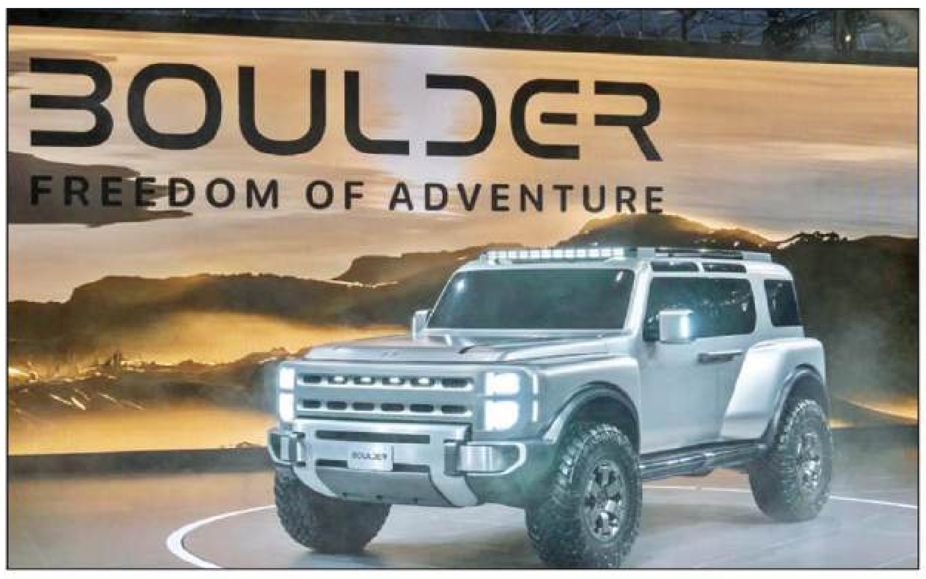

आफ-रोडिंग के शौकीनों के लिए एसयूवी हुंडई बोल्डर पेश

नई दिल्ली

हुंडई कंपनी ने हुंडई बोल्डर कान्सेप्ट को 2026 न्यूयार्क इंटरनेशनल आटो शो में पेश किया। इस एसयूवी को देखकर साफ संकेत मिलता है कि यह आफ-रोडिंग के शौकीनों के लिए तैयार की गई है। इस कान्सेप्ट माडल की टक्कर बाजार में पहले से मौजूद जीप रैंगलर रुबिकान और फोर्ड ब्रोंको जैसी दमदार एसयूवी से मानी जा रही है। बोल्डर कान्सेप्ट का एक्सटीरियर हुंडई की आर्ट आफ स्टील डिजाइन लैंग्वेज पर आधारित है, जिससे यह एक रग्ड और मजबूत आफ-रोडर की तरह नजर आती है। इसके फ्रंट में मस्कुलर बोनट और पिल-शेप्ड ओपनिंग्स दिए गए हैं, जबकि बोनट पर मोर्स कोड में एच का संकेत भी उकेरा गया है। वर्टिकली फिटेड एलईडी हेडलाइट्स, साइड डीआरएल और आफ-रोड स्पेसिफिक बम्पर के साथ टो हुक इसे और भी प्रैक्टिकल बनाते हैं। इस एसयूवी में 37 इंच के बड़े मड-टेरेन टायर्स दिए गए हैं, जो कठिन रास्तों पर बेहतर ग्रिप प्रदान करते हैं। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस काफी अधिक है और इसे बेहतर अप्रोच व डिपार्चर एंगल के साथ डिजाइन किया गया है। पीछे की तरफ टेलगेट पर माउंटेड फुल-साइज स्पेयर व्हील इसकी आफ-रोड पहचान को और मजबूत बनाता है। इंटीरियर की बात करें तो इसका केबिन यूटिलिटी थीम पर आधारित है, जिसमें ड्यूरेबल मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें टच कंट्रोल की जगह फिजिकल बटन और रोटरी नाब दिए गए हैं, ताकि खराब रास्तों पर भी आसानी से आपरेट किया जा सके।

स्कूटर होंडा एक्स-एडीवी 750 की बिक्री बंद

नई दिल्ली। अपने प्रीमियम मैक्सी स्कूटर होंडा एक्स-एडीवी 750 को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने भारतीय बाजार में बिक्री के लिए बंद कर दिया है। इस फैसले के पीछे इसकी कमजोर बिक्री को माना जा रहा है। होंडा एक्स-एडीवी 750 अपने अनोखे डिजाइन और एडवेंचर स्कूटर कैटेगरी के कारण चर्चा में रहा। इसका लुक काफी शार्प और रग्ड था, जिसमें डुअल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, इंटीग्रेटेड टर्न इंडिकेटर्स और डीआरएल शामिल थे। बड़ी विंडस्क्रीन, क्रैश गार्ड, स्टेप-अप सीट और अपस्वेप्ट एग्जास्ट जैसे फीचर्स इसे एडवेंचर टूरिंग के लिए उपयुक्त बनाते थे। इसके पैनल पर स्पोर्टी ग्राफिक्स इसे और आकर्षक बनाते थे, जिससे यह सड़क पर अलग पहचान बनाता था। इस स्कूटर में 745 सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया था, जो 58 बीएचपी की पावर और 69 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता था। इसे 6-स्पीड डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) के साथ जोड़ा गया था, जो इसे स्कूटर सेगमेंट में एक अलग और प्रीमियम विकल्प बनाता था।

न्यूज ब्रीफ

ओप्पो पेड मिनी के साथ काम्पैक्ट टैबलेट सेगमेंट में कदम रखने की तैयारी

नई दिल्ली। ओप्पो अपने नए डिवाइस ओप्पो पेड मिनी के लान्च से पहले ही कई लीक्स सामने आ चुके हैं, जिनसे इसके डिजाइन और स्पेसिफिकेशन्स को लेकर काफी जानकारी मिल रही है।

ऐसा लग रहा है कि ओप्पो अपने नए डिवाइस ओप्पो पेड मिनी के साथ काम्पैक्ट टैबलेट सेगमेंट में कदम रखने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक छोटे आकार का टैबलेट होगा, लेकिन फीचर्स के मामले में यह प्रीमियम अनुभव देने का प्रयास करेगा। कहा जा रहा है कि इसमें ओएलईडी डिस्प्ले के साथ 8000 एमएएच की बड़ी बैटरी दी जा सकती है। पापुलर टिप्स्टर डिजिटल चेट स्टेशन के अनुसार, इस टैबलेट में 3:2 आस्पेक्ट रेश्यो वाली 8.8 इंच की ओएलईडी डिस्प्ले मिल सकती है, जो पारंपरिक मीडिया-फोकस्ड टैबलेट्स से अलग उपयोग अनुभव देगी। यह रेश्यो खास तौर पर पढ़ने और सामान्य उपयोग के लिए बेहतर माना जा रहा है। लीक के मुताबिक, डिस्प्ले का रिजाल्यूशन 2880गुणा 1920 पिक्सेल हो सकता है और इसमें 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट मिलेगा, जो एलटीपीओ तकनीक की मदद से 1 हर्ट्ज तक कम हो सकता है। इसकी पीक ब्राइटनेस लगभग 1800 निट्स तक बताई जा रही है और यह डीसीआई-पी3 कलर गैमट को सपोर्ट करेगा, जिससे विजुअल क्वालिटी काफी बेहतर रहने की उम्मीद है। परफार्मेंस के लिए इसमें क्वालकाम का स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 प्रोसेसर दिए जाने की संभावना है, जो इसे फ्लैगशिप कैटेगरी में ला सकता है। डिजाइन की बात करें तो यह यूनिबाडी मेटल बिल्ड के साथ आ सकता है, जिसकी मोटाई लगभग 5.39 एमएम और वजन करीब 279 ग्राम बताया जा रहा है। यह डिवाइस डार्क ग्रे, पर्पल और सियान जैसे रंग विकल्पों में उपलब्ध हो सकता है।

सीमेंट सेक्टर में सुस्ती, कीमतों में जल्द बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में सीमेंट की मांग कमजोर रही, खासकर महीने की शुरुआत में। हालांकि महीने के अंत तक कुछ सुधार देखने को मिला। कीमतें ज्यादातर स्थिर रहीं, लेकिन अब बाजार में तेजी के संकेत दिख रहे हैं। दक्षिण भारत में गैर-खुदरा सेगमेंट में कीमतें करीब 50 रुपये प्रति बैग बढ़ गई हैं। अन्य हिस्सों में जल्द ही 10-15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी संभव है। सीमेंट कंपनियों के लिए लागत बढ़ना भी चिंता का कारण है। पेटकोक की कीमत बढ़कर 142 डालर प्रति टन हो गई है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 27 डालर अधिक है। पैकेजिंग लागत में भी वृद्धि हो रही है, जिसका असर मुनाफे पर पड़ सकता है। क्षेत्रवार स्थिति में पूर्वी भारत में मांग महीने के अंत में सुधरी, दक्षिण भारत में सप्लाई पर पैकेजिंग दिक्कतों का असर पड़ा। उत्तरी भारत में मांग कमजोर रही, लेकिन एनसीआर में कीमतें 10 रुपये प्रति बैग बढ़ीं। मध्य और पश्चिमी भारत में कीमतें स्थिर रही, लेकिन आने वाले दिनों में 10-15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी की संभावना है।

पश्चिम एशिया संघर्ष से भारतीय विमानन कंपनियों को 2,500 करोड़ का झटका

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने भारतीय विमानन कंपनियों की आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उद्योग के ताजा अनुमानों के अनुसार एयरलाइंस को अब तक करीब 2,500 करोड़ का नुकसान हो चुका है, जो संघर्ष लंबा खिंचने पर और बढ़ सकता है। उद्योग से जुड़े ताजा आंकड़ों के अनुसार एयरलाइंस को अब तक लगभग 2,500 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा है। यदि ईरान और विशेष रूप से पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र लंबे समय तक बंद रहता है, तो भारत-यूरोप जैसे लाभदायक मार्गों की आर्थिक व्यवहार्यता पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है। पश्चिम एशिया भारतीय विमानन कंपनियों के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण उड़ानों में भारी कटौती करनी पड़ी है। इससे विमान खाली खड़े हैं और उपलब्ध क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो को गर्मियों में प्रतिदिन 310 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की अनुमति है, लेकिन वह वर्तमान में केवल 60 प्रतिशत उड़ानें ही संचालित कर पा रही है। कंपनी ने खाड़ी सहयोग परिषद देशों के लिए 115 और अन्य गंतव्यों के लिए 10 उड़ानें रद्द की हैं। वहीं एयर इंडिया समूह भी खाड़ी देशों के लिए अपनी उड़ानों को 100 से घटाकर 30-40 प्रतिदिन तक सीमित करने को मजबूर है। एयरलाइंस अधिकारियों के अनुसार उड़ानों की अनुमति अक्सर अंतिम समय पर मिलती है, जिससे योजना बनाना कठिन हो जाता है। साथ ही खाड़ी देशों की एयरलाइंस को स्लाट आवंटन में प्राथमिकता मिलने से भारतीय कंपनियों की परेशानी और बढ़ गई है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला सेफ्टी कंट्रोल्स का आईपीओ, 13 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली

इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज का 48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद नौ अप्रैल को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 10 अप्रैल को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 13 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 80 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 1,600 शेयर का है। सेफ्टी कंट्रोल्स के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स रिटेल इनवेस्टर्स को दो लाट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,56,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 60 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 48.88 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35.96 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15.17 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए सौभाग्य कैपिटल आपशंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि मांशीतला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं एनएनएम सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। सेफ्टी कंट्रोल्स एंड डिवाइसेज की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 43 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.01 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 8.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 8.52 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी मामूली उतार चढ़ाव के साथ बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 49.26 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 45.70 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 103.50 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक कंपनी को 68.51 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 18.52 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 29.79 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 33.84 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 39.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 12.47 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 17.48 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का नेटवर्थ 42.17 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक ये 54.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 2.97 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 6.98 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 28.87 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी 2026 तक ये 40.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

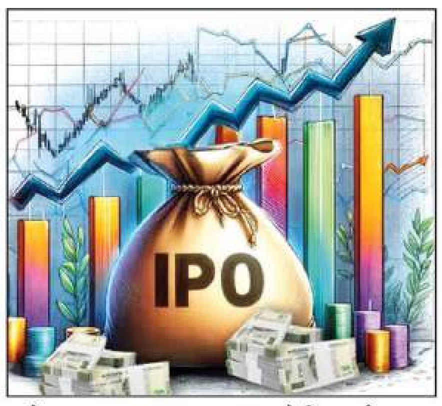

ओम पावर ट्रांसमिशन का आईपीओ 9 अप्रैल से खुलेगा, लक्ष्य 150 करोड़

नई दिल्ली। पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी ओम पावर ट्रांसमिशन 9 अप्रैल से अपने आईपीओ के लिए सब्सक्रिप्शन खोल रही है। कंपनी ने प्राइस बैंड 166 से 175 रुपये प्रति शेयर तय किया है और 150 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। ओम पावर ट्रांसमिशन के आईपीओ में कुल 76 लाख नए शेयर शामिल हैं, जिनकी कीमत लगभग 132.56 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही 10 लाख शेयरों का आफर फार सेल (ओएफएस भी होगा, जिसकी कीमत करीब 17.50 करोड़ रुपये है। ओएफएस में प्रमोटर शेयरहोल्डर्स कल्पेश धनजीभाई पटेल, कनुभाई पटेल और वसंतकुमार नारायणभाई पटेल शामिल हैं। कंपनी 2011 में स्थापित हुई थी और यह इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन परियोजनाओं में सक्रिय है। यह हाई वोल्टेज और अल्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन लाइनों, सबस्टेशनों और भूमिगत केबलिंग का निर्माण और संचालन करती है। 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी की अनएक्जीक्यूटेड आर्डर बुक में 58 प्रोजेक्ट, कुल 744.60 करोड़ रुपये के शामिल थे। आईपीओ 9 अप्रैल से 13 अप्रैल तक खुलेगा। शेयर अलाटमेंट का आधार 15 अप्रैल और संभावित एनएसई/बीएसई लिस्टिंग 17 अप्रैल को होगी। लाट साइज 85 शेयर तय किया गया है। फ्रेश इश्यू से जुटाई गई राशि का उपयोग पूंजीगत खर्च, कर्ज भुगतान और लान्ग टर्म कैपिटल जरूरतों के लिए किया जाएगा।

भारत में स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता क्षेत्रों में रोजगार में वृद्धि की संभावना

नई दिल्ली

2030 तक बदल जाएगी रोजगार की तस्वीर, लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की उम्मीद

भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (इक्रियर) के अध्ययन के अनुसार भारत में *स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता (ईई) क्षेत्रों में रोजगार अगले चार वर्षों में तीन गुना बढ़ सकता है। 2021-22 में इन क्षेत्रों में कुल रोजगार 4,44,900 था, जो 2029-30 तक लगभग 13,33,700 तक पहुंचने की संभावना है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2029-30 तक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 9,05,000 और ऊर्जा दक्षता में 4,28,700 रोजगार होने की उम्मीद है। 2021-22 में स्वच्छ ऊर्जा और अन्य पारंपरिक स्वच्छ ऊर्जा में रोजगार 3,18,000 और ईई में 1,26,900 था। इक्रियर का कहना है कि यदि भारत 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल करता है तो संबंधित रोजगार 2.8 गुना बढ़ जाएंगे। वहीं 15 करोड़ टन तेल समतुल्य ऊर्जा बचत का लक्ष्य प्राप्त होने पर ईई में रोजगार 3.8 गुना बढ़ने की संभावना है। विश्लेषण में यह भी सामने आया कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा सबसे अधिक रहेगा। अध्ययन में यह भी उजागर हुआ कि वर्ष 2022-2030 के बीच गुजरात में 79,000 व राजस्थान में 77,000 अतिरिक्त नौकरियों का सृजन होगा और ये सबसे अधिक रोजगार सृजन करने वाले राज्य बनने की उम्मीद है। पवन ऊर्जा आधारित रोजगार सृजन के मामले में तमिलनाडु और गुजरात अग्रणी हैं जबकि आंध्र प्रदेश में बड़े जलविद्युत आधारित रोजगार में सबसे अधिक हिस्सेदारी होने की उम्मीद है। छतों पर सौर पैनल लगाने से संबंधित रोजगार के मामले में गुजरात के अग्रणी रहने की उम्मीद है जबकि जमीन पर लगाए जाने वाले सौर पैनल में सबसे अधिक अतिरिक्त रोजगार राजस्थान में मिलने की संभावना है। ऊर्जा दक्षता के रोजगार में तमिलनाडु का दबदबा है और उसके बाद गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक आते हैं।

डिजिटल कंपनियों के नतीजे मिलेजुले रहने के आसार

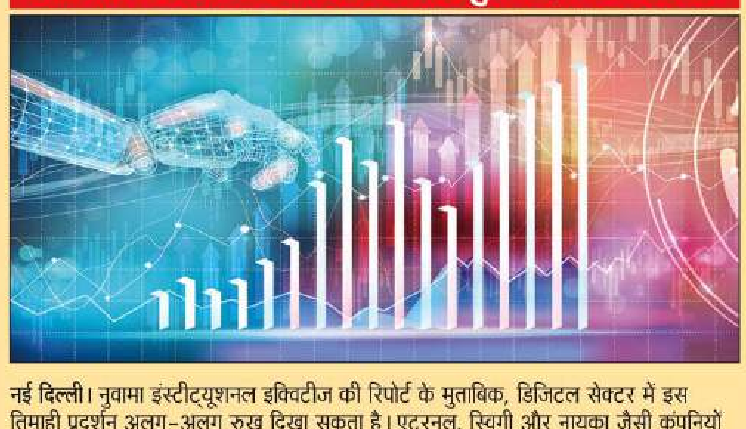

नई दिल्ली। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट के मुताबिक, डिजिटल सेक्टर में इस तिमाही प्रदर्शन अलग-अलग रुख दिखा सकता है। एटरनल, स्विगी और नायका जैसी कंपनियों में मजबूत ग्रोथ की उम्मीद है। फूड डिलीवरी और आनलाइन शापिंग सेगमेंट में मांग लगातार बनी हुई है। एटरनल का फूड डिलीवरी बिजनेस करीब 18 प्रतिशत और स्विगी 20 प्रतिशत से ज्यादा की ग्रोथ दर्ज कर सकती है। वहीं नायका के ब्यूटी और फैशन कारोबार में 25-27 प्रतिशत तक बढ़त संभव है। इसके विपरीत, इन्फो एज और इंडिया मार्ट जैसी कंपनियों की ग्रोथ अपेक्षाकृत धीमी रह सकती है। इन्फो एज की ग्रोथ में उसके नान-रिक्रूटमेंट प्लेटफार्म जैसे 99एकर्स और जीवनसाथी का योगदान रहेगा, जहां क्रमशः 14 प्रतिशत और 27 प्रतिशत तक की बढ़त का अनुमान है। हालांकि, ग्रोथ के बावजूद कई कंपनियों के मार्जिन पर दबाव देखने को मिल सकता है। इन्फो एज, इंडिया मार्ट और जस्ट डायल जैसी कंपनियों की लागत बढ़ने से मुनाफा प्रभावित हो सकता है। स्टाफिंग और आईटी सर्विसेज सेक्टर में भी सुस्ती के संकेत हैं। टीमलीज और क्वेस में सीमित ग्रोथ दिख सकती है, जबकि एसआईएस को अधिग्रहण से फायदा मिल सकता है। टेलीकाम सेक्टर में भारती एयरटेल और जियो के ग्राहक बढ़ सकते हैं, लेकिन वोडाफोन आइडिया पर दबाव बना रहेगा। अन्य कंपनियों में टाटा कम्युनिकेशंस सामान्य ग्रोथ दिखा सकती है, जबकि रूट मोबाइल के मार्जिन घटने और एसटीएल की ग्रोथ बेहतर रहने की संभावना है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

सप्ताह के पहले दिन ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। गुड फ्राइडे की छुट्टी होने की वजह से पिछले सप्ताह की आखिरी कारोबारी दिन अमेरिकी और यूरोपीय बाजार बंद रहे थे। वहीं पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण बने डर के माहौल की वजह से डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,390.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

एशिया के नौ बाजार में से तीन के सूचकांकर बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हांगकांग, चीन, थाईलैंड और ताइवान के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से हैंग सेंग इंडेक्स, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स, सेट कंपोजिट इंडेक्स और ताइवान वेटेड इंडेक्स में कोई बदलाव नहीं हो रहा है।

गिफ्ट निफ्टी 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,683 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत टूट कर 6,978.26 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 604.51 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 53,728 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.77 प्रतिशत उछल कर 5,418.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.30 की बढ़त के साथ 4,962.13 अंक के स्तर पर आ गया है।

सैमसंग की गैलेक्सी एस26 सीरीज लान्च

नई दिल्ली। भारत समेत वैश्विक बाजारों में सैमसंग ने फरवरी 2026 में अपनी नई फ्लैगशिप लाइनअप गैलेक्सी एस26 सीरीज लान्च की थी। इस सिरीज में सैमसंग गैलेक्सी एस26, गैलेक्सी एस26 प्लस और गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा जैसे माडल शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक कंपनी इस सीरीज को आगे बढ़ाते हुए एक और माडल सैमसंग गैलेक्सी एस26 एफई को पेश करने की तैयारी में है। उम्मीद जताई जा रही है कि यह स्मार्टफोन सितंबर के अंत या अक्टूबर 2026 की शुरुआत में बाजार में उतारा जा सकता है। हाल ही में इस डिवाइस को गीकबेंच पर भी देखा गया है, जो इसके संभावित परफार्मेंस और स्पेसिफिकेशंस की ओर संकेत देता है। टिप्सटर अभिषेक यादव के अनुसार, गीकबेंच लिस्टिंग में यह फोन माडल नंबर एसएम-एस741यू के साथ दिखाई दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें 10-कोर एक्सीनास 2500 चिपसेट और एंड्रायड 17 आपरेटिंग सिस्टम मिलने की संभावना है। इसके साथ 8 जीबी रैम का सपोर्ट भी देखा जा सकता है। परफार्मेंस टेस्ट में इस डिवाइस ने सिंगल-कोर में 2426 और मल्टी-कोर में 8004 का स्कोर हासिल किया है, जो इसकी बेहतर प्रोसेसिंग क्षमता को दर्शाता है। डिजाइन और डिस्प्ले की बात करें तो इसमें 6.73 इंच का एमोलेड डिस्प्ले और 120 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट मिलने की उम्मीद है। कैमरा सेटअप में ट्रिपल रियर कैमरा शामिल हो सकता है, जिसमें 50 मेगापिक्सेल का प्राइमरी सेंसर, एक अन्य 50 मेगापिक्सेल लेंस और 8 मेगापिक्सेल का तीसरा सेंसर शामिल होगा, जो 8के वीडियो रिकार्डिंग को सपोर्ट कर सकता है। फ्रंट में 16 मेगापिक्सेल का कैमरा दिया जा सकता है। फोन में 5100 एमएएच की बैटरी और 55 वाट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट मिलने की संभावना है।

आईसीसी ने मार्च के लिए सैमसन और बुमराह को प्लेयर आफ द मंथ नामित किया

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मार्च के लिए सोमवार को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के नामों का ऐलान कर दिया है। इस बार भारत के स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन और जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में नामित किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है, जिसके चलते इन्हें इस सम्मान का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। संजू सैमसन ने मार्च महीने में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाए और इसके बाद इंग्लैंड तथा न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और फाइनल में लगातार 89-89 रनों की पारियां खेलीं। उनकी इन पारियों ने टीम को मुश्किल हालात से निकालकर खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुमराह की घातक गेंदबाजी बनी जीत की कुंजी – जसप्रीत बुमराह ने भी आईसीसी टी 20 विश्व कप में अपनी सटीक और किफायती गेंदबाजी से विरोधी टीमों को पूरी तरह दबाव में रखा। उन्होंने अहम मुकाबलों में कुल 7 विकेट लिए और फाइनल में 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 विकेट झटकते हुए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। बुमराह और सैमसन के अलावा अन्य नामितों में दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज कानर एस्टरहुइजन भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 मैचों में 200 रन बनाए और अपनी टीम को श्रृंखला जिताने में अहम भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में भी कड़ी टक्कर – महिला वर्ग में न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर, आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को नामांकन मिला है। इन सभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इस सम्मान के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है।

ऐसे होगा विजेता का चयन – महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन विशेषज्ञों की समिति और दुनियाभर के प्रशंसकों के मतदान के आधार पर किया जाता है। इसमें विशेषज्ञों के वोट का हिस्सा अधिक होता है, जबकि प्रशंसकों के वोट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विजेताओं की घोषणा हर महीने के दूसरे सप्ताह में की जाती है।

न्यूज़ ब्रीफ

एफए कप 2026 सेमीफाइनल : मैन सिटी का सामना साउथेम्प्टन से, लीड्स यूनाइटेड से भिड़ेगी चेल्सी

नई दिल्ली। एफए कप 2025-26 के सेमीफाइनल मुकाबलों का ऐलान हो गया है। पहले सेमीफाइनल में मैनचेस्टर सिटी का सामना साउथेम्प्टन से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चेल्सी की टक्कर लीड्स यूनाइटेड से होगी। ये दोनों मुकाबले 25 और 26 अप्रैल के वीकेंड पर खेले जाएंगे। दोनों सेमीफाइनल मैच वेम्बली स्टेडियम में आयोजित होंगे। क्वार्टरफाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर शानदार अंदाज में अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं चेल्सी ने लीग वन की टीम पोर्ट वेले को 7-0 से करारी शिकस्त दी। क्वार्टरफाइनल का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब साउथेम्प्टन ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर सबको चौंका दिया। वहीं, लीड्स यूनाइटेड ने वेस्ट हैम यूनाइटेड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर 39 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल मुकाबलों का शेड्यूल: चेल्सी बनाम लीड्स यूनाइटेड – 25 अप्रैल। साउथेम्प्टन बनाम मैनचेस्टर सिटी – 26 अप्रैल।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026, राउंड 7: वैशाली की लगातार दूसरी जीत, प्रज्ञानानंद और दिव्या ने खेला ड्रा

नई दिल्ली। फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के सातवें राउंड में भारत की ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने तान झोंगयी को हराकर सात राउंड में चार अंक हासिल कर लिए हैं और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे आगे अन्ना मुजिचुक 4.5 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं। वैशाली और झोंगयी के बीच मुकाबला मध्य खेल तक ड्रा की ओर बढ़ रहा था, लेकिन 36 से 38वीं चाल के दौरान झोंगयी की गलतियों का वैशाली ने पूरा फायदा उठाया। 38वीं चाल में खेलकर वैशाली ने एक प्यादा जीता और काले राजा की ओर रास्ता खोल दिया। इसके बाद चाल ने झोंगयी के राजा को और कमजोर कर दिया, जिसका फायदा उठाते हुए वैशाली ने शानदार तालमेल के साथ जीत दर्ज की। वहीं, भारत की दिव्या देशमुख को कैटेरीना लाग्नो के खिलाफ ड्रा से संतोष करना पड़ा। मुकाबले के दौरान दिव्या ने बेहतर स्थिति हासिल कर ली थी और रूक एंडगेम में जीत की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन लगातार रूक चेक दोहराने से लाग्नो को वापसी का मौका मिल गया। बाद में स्थिति संतुलित हो गई और मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ। अन्य मुकाबलों में अन्ना मुजिचुक ने बिबिसारा असाउबायेवा के साथ ड्रा खेलकर अपनी बढ़त कायम रखी, जबकि झू जिनेर और अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना के बीच भी मुकाबला ड्रा रहा। ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंद ने फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत की कोशिश की, लेकिन अंततः मुकाबला तीन बार एक जैसी स्थिति (थ्रीफोल्ड रिपिटिशन) के चलते ड्रा रहा। अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा और मैथियास ब्लूबाम के बीच ड्रा हुआ।

इंग्लैंड फुटबाल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबाल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

रग्बी प्रीमियर लीग का दूसरा संस्करण 16 से 28 जून तक, हैदराबाद करेगा मेजबानी

नई दिल्ली

जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया ने संयुक्त रूप से रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के दूसरे संस्करण की घोषणा की है। यह लीग 16 से 28 जून 2026 के बीच हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। पिछले वर्ष मुंबई में सफल पहले संस्करण के बाद आरपीएल एक बार फिर तेज-तर्रार रग्बी 7हृ प्रारूप में लौट रही है। लीग का उद्देश्य भारत में रग्बी के विकास को गति देना और इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। दूसरे संस्करण में पहले सीजन की छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर का मंच मिलेगा और दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

हैदराबाद में आयोजन का फैसला खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में जीएमआर स्पोर्ट्स की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। हाल ही में कंपनी ने तेलंगाना सरकार के साथ भारत फ्यूचर सिटी में सैटेलाइट स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (युवा विकास, पर्यटन एवं संस्कृति और खेल विभाग) जयेश रंजन ने कहा कि हैदराबाद का वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभरना राज्य की दीर्घकालिक नीति और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का परिणाम है। ऐसे आयोजन पर्यटन, शहर की पहचान और राज्य की खेल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हैं।

रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा कि आरपीएल का लक्ष्य हर बार बेहतर प्रदर्शन करना और प्रशंसकों, प्रायोजकों व फ्रेंचाइज़ी के लिए बेहतर अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि हैदराबाद में होने वाला आरपीएल 2026 और भी अधिक रोमांचक होगा।

जीएमआर स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यम त्रिवेदी ने कहा कि हैदराबाद का उत्कृष्ट खेल बुनियादी ढांचा, बेहतर कनेक्टिविटी और उत्साही दर्शक इसे इस लीग के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह आयोजन युवाओं को प्रेरित करेगा और रग्बी के प्रति भागीदारी बढ़ाने में मदद करेगा।

स्पोर्ट्स अथारिटी आफ तेलंगाना की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डा. ए. सोनिबाला देवी ने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन उभरते खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करते हैं और राज्य के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाते हैं।

उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा, स्थापित लीग प्रारूप और नए मेज़बान शहर के साथ रग्बी प्रीमियर लीग का दूसरा संस्करण भारत में इस खेल के विकास में अहम भूमिका निभाने के साथ दर्शकों को शीर्ष स्तर का रोमांच प्रदान करेगा।

गोल्फर स्पान ने टेक्सास ओपन जीता

टेक्सास । अमेरिकी गोल्फर जेजे स्पान ने बेल्वरों टेक्सास ओपन गोल्फ खिताब जीता है। स्पान ने फाइनल राउंड में 5-अंडर 67 का स्कोर करते हुए एक शाट से जीत हासिल की। टूर्नामेंट के अंतिम दौर में 16वें होल पर स्पान ने शानदार बर्डी के बाद 17वें होल पर अपने बेहतरीन शाट के साथ ही ईगल बनाकर बढ़त दर्ज की। वहीं 18वें होल पर पार बनाकर उन्होंने कुल 17-अंडर 271 स्कोर के साथ लक्ष्य हासिल कर लिया। नंबर एक स्थान पर रहे स्पान का मनोबल इस सफलता से द मास्टर्स से पहले बढ़ा है। इस टूर्नामेंट मे राबर्ट मैकइंटायरी दूसरे नंबर पर रहे। 17वें होल पर मैकइंटायरी ने ईगल बनाकर स्पान को कड़ी टक्कर दी पर अंतिम होल पर वह सही शाट नहीं लगा पाये। उनका बर्डी पुट भी छोटा रहा जिससे वह प्लेआफ में नहीं पहुंचे। मैकइंटायर दूसरे स्थान पर रहे। उनके साथ मैट वालेस और माइकली किम भी संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं लुडविग एबर्ग तीसरे नंबर पर रहे।

तुषार आने वाले समय में भारतीय टीम में नजर आयेगा : स्टेन

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने राजस्थान रायल्स के युवा तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की जमकर प्रशंसा की है। अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे स्टेन ने कहा है कि जिस धैर्य से तुषार ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अंतिम ओवरा किया उससे पता चलता है कि वह शीर्ष स्तर का गेंदबाज है। वह इसी प्रकार गेंदबाजी करता रहा तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह बना सकता है। जिस प्रकार से उसने अंतिम ओवर में केवल 4 रन दिये उससे चयनकर्ता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। तुषार ने अंतिम ओवर में जीत के लिए जरुरी रन गुजरात को नहीं बनाने दिये। उसने में राशिद खान और कसिगो रबाडो को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। स्टेन ने कहा कि कहा, तुषार का अंतिम ओवर बहुत अच्छा था। उन्होंने दबाव में एकदम सही गेंदबाजी की, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को भी शाट खेलने से रोक दिया। किसी भी गेंदबाज के लिए इतने अधिक दबाव वाली हालत में शांत रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आपके दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं पर ऐसे में भी तुषार ने गेंदबाजी पर पूरा नियंत्रण बनाये रखा। स्टेन ने कहा, तुषार ने चार जबरदस्त यार्कर डालीं। फिर उन्होंने अपनी लाइन बदली और लेंथ गेंद डाली और ऐसा करके उन्होंने राशिद पर अंकुश लगाया और बड़ा शाट मारने के लिए मजबूर कर दिया। जिससे वह कैच हो गये।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हू तो मैं यह कहना चाहता हू कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नही, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ मे आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

बुखारेस्ट में एटीटी टिरियाक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

बुखारेस्ट में एटीटी टिरियाक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते हुए अर्जेंटीना के मैरियानो नवोना।

मोंटे कार्लो मास्टर्स 2026 : कार्लोस अल्काराज क्ले कोर्ट पर वापसी के लिए तैयार, बोले, अब मोजे गंदे करने का समय

मोंटे कार्लो

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज एक बार फिर अपने पसंदीदा क्ले कोर्ट पर लौटने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। मोंटे कार्लो में इस हफ्ते शुरू हो रहे टूर्नामेंट से पहले अल्कराज ने कहा कि वह क्ले पर वापसी कर लय हासिल करना चाहते हैं, खासकर फ्रेंच ओपन के खिताब का बचाव करने से पहले।

अल्कराज ने पिछले साल रोलां गैरोस में जैनिक सिनर को हराकर अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2025 में मोंटे कार्लो और रोम में क्ले कोर्ट खिताब जीते थे, जबकि बार्सिलोना में उपविजेता रहे थे।

मोनाको में मीडिया से बातचीत करते हुए अल्कराज ने कहा, यह मेरे लिए सीजन का सबसे बेहतरीन समय होता है। जब भी क्ले सीजन खत्म होता है, मुझे इसकी कमी महसूस होती है। रोलां गैरोस के बाद काफी समय हो गया है जब मैंने क्ले पर खेला नहीं। प्रैक्टिस के पहले ही दिन मैंने अपनी टीम से कहा—अब मोजे गंदे करने का समय आ गया है। क्ले पर लौटकर शानदार महसूस हो रहा है।

22 वर्षीय खिलाड़ी, जो पिछले साल चोट के कारण मैड्रिड ओपन नहीं खेल पाए थे, इस बार पूरा क्ले सीजन खेलने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनका शेड्यूल मोंटे कार्लो, बार्सिलोना, मैड्रिड और रोम जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने का है, ताकि फ्रेंच ओपन से पहले पूरी तैयारी हो सके, जिसका मुख्य ड्रा 24 मई से शुरू होगा। अल्कराज ने कहा, यह शारीरिक और मानसिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण होता है। बार्सिलोना के दौरान शायद मुझे आराम करना चाहिए, लेकिन यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत खास है। इसलिए मेरा फोकस रहेगा कि मैच और टूर्नामेंट के दौरान अपने शरीर का ध्यान रखूं।

उन्होंने यह भी माना कि पिछले साल मोंटे कार्लो में मिली जीत उनके करियर के लिए टर्निंग पाइंट साबित हुई थी।

अल्कराज ने कहा, यहां से जो आत्मविश्वास मिला, उससे मैं लगातार बेहतर होता गया। मुझे समझ आया कि मुझे किस तरह खेलना है और इसी वजह से मेरा साल शानदार रहा।

मोंटे कार्लो मास्टर्स 2026 में अल्कराज अपने अभियान की शुरुआत दूसरे दौर से करेंगे, जहां उनका मुकाबला स्टेन वावरिंका या सेबास्टियन बाएज़ में से किसी एक से होगा।

सीएसके के लिए प्लेआफ की राह अभी खुली हुई, बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे

चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में लगातार तीसरी हार मिली है। यह इस टूर्नामेंट में दूसरा अवसर है, जब सीएसके ने शुरुआत के तीन मैच हारी है। इससे पहले साल 2022 में सीएसके ने शुरुआती चार मुकाबले खो दिए थे जिससे अब ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या टीम अब भी प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर सकती है तो इसका जवाब है हां। लगातार तीन हार से सीएसके अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गयी है पर इसके बाद भी उसके प्लेआफ में पहुंचने के रास्ते खुल हुए हैं। प्लेआफ में पहुंचने के लिए अभी सीएसके के सामने कोई बाधा नहीं है। न ही ऐसा है कि उसे दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़े। उस इसके लिए केवल आगे के बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे क्योंकि शीर्ष-4 में सीधे जगह बनाने के लिए किसी भी टीम को कम से कम 16 अंकों की जरूरत होती है और इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सीएसके को बचे हुए 11 मैचों में से 8 मैच हर हाल में जीतने होंगे। लगातार तीन हार से चेन्नई का नेट रन रेट -2.517 भी सबसे खराब हो गया है। ऐसे में अगर टूर्नामेंट के अंत में शीर्ष-4 की एसी स्थिति बनती है कि सीएसके के अंक किसी दूसरी टीम के बराबर होते हैं, तो कम रन रेट के कारण सीएसके को बाहर होना पड़ेगा। ऐसे में सीएसके को बड़े अंतर से जीत हासिल कर रन रेट भी बेहतर करना होगा।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

हेयरफॉल से हैं परेशान, तो करें सिर की तेल से मालिश

बालों के गिरने, सफेद होने, इन्फेक्शन होने और डैंड्रफ की समस्या से लगभग सभी लोग कभी न कभी परेशान होते हैं। इसके लिए तमाम तरह के ट्रीटमेंट लिए जाते हैं, साथ ही उसके असर के लिए लंबा इंतजार भी करना पड़ता है। इन सभी समस्याओं से जल्द छुटकारा पाने के लिए रोजाना बालों में तेल लगाना फायदेमंद होने के साथ ही यह असरदार इलाज है।

बालों की ग्रोथ के लिए: बालों की ग्रोथ पूरी तरह से उसे मिलने वाले न्यूट्रिशन पर डिपेंड करती है। प्रोटीन और विटामिन्स बालों के लिए सबसे जरूरी चीज है। कर्लिंग, स्ट्रेटनिंग और ऐसे ही कई तरह के ट्रीटमेंट से डैमेज हो रहे बालों की क्वालिटी को हफ्ते में 3-4 बार तेल लगाकर काफी हद तक सुधारा जा सकता है। तेल से बालों की जड़ों में अच्छे से मसाज करें जिससे ब्लड सकुर्लेशन सुधरता है। जड़ों में तेल एब्जॉर्ब होने से उसे कई जरूरी न्यूट्रिशन आसानी से मिल जाते हैं जो बालों को लंबा, घना और मुलायम बनाते हैं। सिर की जड़ों पर गंदगी जमा होते रहने से कई तरह के बैक्टीरियल और फंगल इन्फेक्शन होने का खतरा बना रहता है। इसके साथ ही डैंड्रफ और जूं की समस्या भी हो सकती है जो बालों को कमजोर बनाता है और वो हल्के होकर टूटने लगते हैं।

नाइट शिफ्ट करने से महिलाओं को दिल की बीमारी का खतरा

नाइट शिफ्ट और उसमें बार-बार फेरबदल से महिलाओं में हृदय रोग का खतरा संभवत: थोड़ा बढ़ सकता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है। अध्ययन में पाया गया है कि जो महिलाए दस साल से अधिक समय से नाइट शिफ्ट में काम कर रही है, उनमें 15 से 18 प्रतिशत अधिक कोरोनरी हार्ट डिसीस (सीएचडी) का जोखिम होता है। सीएचडी की कई वजह होती हैं जैसे धूम्रपान, असंतुलित आहार, शारीरिक श्रम की कमी और उच्च बॉडी मास इंडेक्स।

बेहद खतरनाक है फोबिया

यदि आपका डर आपके लिए सजा बन जाए तो यह आपके लिए खतरे की बात है, क्योंकि आपको मात्र डर नहीं है बल्कि आप फोबिया से ग्रस्त हैं। फोबिया केवल डर ही नहीं, एक गंभीर बीमारी है, जो आपके पूरे जीवन को प्रभावित कर सकती है।

क्या है फोबिया

फोबिया एक प्रकार का रोग है, जिसमें इंसान को किसी खास वस्तु, कार्य एवं परिस्थिति के प्रति भय उत्पन्न हो जाता है। इसमें व्यक्ति उन चीजों से बचने की कोशिश करता है। फोबिया में अपने डर की सोच भी व्यक्ति को इतना डरा देती है कि उसकी मानसिक व शारीरिक क्षमताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसमें इंसान का डर वास्तविक या काल्पनिक दोनों हो सकते हैं। आमतौर पर किसी भी तरह के फोबिया से ग्रस्त रोगी अपने डर पर पर्दा डाले रहते हैं। उन्हें लगता है कि अपना डर दूसरों को बताने से लोग उन पर हंसेंगे। इसलिए वे अपने डर व उस परिस्थिति से सामना करने की बजाय बचने की हर संभव कोशिश करते हैं।

कैसे-कैसे फोबिया

चाइल्डहुड फोबिया- यह फोबिया बचपन से होने वाला फोबिया है। इसमें बचपन में ही किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति के प्रति डर बैठ जाता है, जो वक्त के साथ खत्म न होने पर फोबिया बन जाता है। यह डर या तो बच्चों में खुद होता है या कई बार अभिभावक ही बच्चों को अनुशासन में रखने के लिए किसी चीज से डरा देते हैं। वैसे तो यह डर उम्र के साथ खत्म हो जाता है, लेकिन कई बार जब यह डर बड़े होने पर भी नहीं जाता तो फोबिया का रूप धारण कर लेता है। इसलिए बच्चों को डराने की बजाय प्यार से समझाने की कोशिश करें।

एडल्टहुड फोबिया- कुछ डर वयस्क होने के बाद पैदा होते हैं। इनका प्रभाव सबसे ज्यादा यंग जनरेशन पर पड़ता है। एडल्टहुड फोबिया में कई तरह के फोबिया शामिल होते हैं।

एग्रोफोबिया- एग्रोफोबिया एक तरह का फोबिक डिसऑर्डर है, जो यह अपने साथ कई अन्य परेशानियां भी लाता है। इनमें डिप्रेशन, हर तरह की बेचैनी आदि प्रमुख हैं। एग्रोफोबिया में व्यक्ति को बिना किसी कारण के ही डर लगता है। यह डर किसी चीज, व्यक्ति, जानवर या परिस्थिति से जुड़ा हुआ न होकर खुद के प्रति ही होता है। एग्रोफोबिया का मरीज अकेलेपन से डरता है। वह भीड़ में खड़ा होकर भी खुद को अकेला ही महसूस करता है। वह कहीं अकेले जा नहीं सकता, अकेले रह नहीं सकता। उसे लगता है कि वह किसी भी परिस्थिति का सामना नहीं कर सकता। ऐसे लोगों का आत्मविश्वास न के बराबर होता है। ऐसे लोग अकेले बाहर न जा सकने के कारण खुद को घर में ही कैद कर लेते हैं। कुछ मामलों में तो यहां तक देखा गया है कि एग्रोफोबिया के मरीज कई सालों तक घर से बाहर नहीं निकले हैं।

सोशलफोबिया- युवाओं में पाया जाने वाला सबसे आम फोबिया है। इस फोबिया के शिकार आमतौर पर स्कूल और कॉलेज जाने वाले युवा होते हैं। सोशल फोबिया के शिकार लोग किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जाने से, वहां बोलने से, वहां खाने से भी डरते हैं। इस फोबिया में सबसे ज्यादा स्पीचिंग कम्यूनिकेशन की समस्या होती है। ऐसा व्यक्ति सार्वजनिक रूप से किसी भी तरह की परफोर्मेंस या बोलने से डरता है।

उपचार

फोबिया के इलाज के लिए कोई एक खास ट्रीटमेंट नहीं होता है। हर मरीज का फोबिया और उसकी परिस्थिति अलग-अलग होती है, इसलिए फोबिया का इलाज भी मरीज और उसके डर के अनुरूप ही किया जाता है। फोबिया के इलाज के लिए दवाएं, काउंसिलिंग, मनोवैज्ञानिक थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। फोबिया के ट्रीटमेंट के लिए रोगी के थायरॉयड, ब्लड शुगर, डायबिटीज आदि की जांच करना भी जरूरी होता है।

आपकी रसोई में छिपा है कई बीमारियों का उपचार

कई बार ऐसा होता है, जब अचानक तकलीफ होती है और आप डॉक्टर के लिए बेचैन हो जाते हैं। ऐसी कई तकलीफों की अचूक दवा आपकी रसोई में होती है, कई असाध्य बीमारियों का आसान इलाज हमारे घर में ही उपलब्ध होता है, लेकिन जानकारी के अभाव में हम उसका लाभ नहीं उठा पाते। दादी-नानी के इन नुस्खों की जानकारी समय पर काफी सहायक साबित होती है। जानते हैं ऐसे कुछ अचूक उपाय।

अस्थमा

अगर आपको अस्थमा है तो आधा चम्मच दालचीनी पाउडर थोड़े-से शहद में मिला कर रोज रात में लें। यह आपकी श्वांस नली में सूजन और संक्रमण को कम कर तकलीफ से निजात दिलाएगा।

खांसी

तुलसी के हरे पत्ते लें, इन्हें मसल कर इनका रस निकाल लें, शहद और काली मिर्च के साथ मिला कर लें। इससे न सिर्फ सूखी खांसी से हुआ गले का रूखापन कम होगा, बल्कि यह कफ साफ करने में भी मददगार साबित होगा।

कील मुहांसे

कील, मुहांसे अक्सर युवाओं को परेशान करते रहते हैं और बेदाग त्वचा पाने के लिए लोग हर संभव प्रयास करते हैं। अगर आप भी इस तरह की समस्या से परेशान हैं तो एक छोटे चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच गुलाब जल मिलाएं। कॉटन से इसे चेहरे पर लगाएं। आधे घंटे बाद इसे ताजे पानी से धो लें। ऐसा हर 10-15 दिन में एक बार करें।

सिरदर्द

सिरदर्द से परेशान हैं तो दो चम्मच अदरक का रस प्याज और नींबू के रस में मिलाएं और पी जाएं। अगर आपको अक्सर सिरदर्द की समस्या रहती है तो इसे ज्यादा मात्र में बना कर स्टोर भी कर सकते हैं।

अपच

अपच होने पर एक बड़ा चम्मच अनार का जूस, एक छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर एक छोटे चम्मच गुड़ के साथ मिलाएं। इसे दिन में दो-तीन बार लें। इससे अपच की समस्या से तुरंत आराम मिलेगा।

खुजलाहट

अगर आपको मामूली स्किन एलर्जी हुई है और खुजलाहट हो रही है तो तुरंत आराम के लिए हल्दी पाउडर में अजवाइन का पाउडर मिला कर लगाएं। प्याज का रस भी खुजलाहट वाली जगह पर लगाने से आराम मिलता है। दरअसल इन चीजों में पर्याप्त मात्र में एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो संक्रमण से राहत दिलाता है।

खराब पाचन

अदरक पाउडर, घी और गुड़ बराबर मात्र में मिलाएं। इसकी छोटी-छोटी गोलियां बना कर रख लें और खाना खाने के बाद एक गोली खाएं। इससे आपका मेटाबोलिक सिस्टम ठीक हो जाएगा।

खराब गला

लौंग, अदरक और तुलसी के पत्ते पानी में उबालें और छान कर पी लें। एक चम्मच चाय की हरी पत्तियां पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी आधा न हो जाए। इसमें थोड़ा-सा नमक डालें और पी लें। इससे आपको तुरंत आराम मिलेगा।

पेट में दर्द

अजवाइन को पानी के साथ पीस लें और इसमें हींग मिला कर नाभि के आसपास लेप लगाएं। इससे पेट दर्द से तुरंत राहत मिलेगी।

छींक से राहत

दो चम्मच अजवाइन तवे पर भून लें। इसे एक रूमाल में बांध कर सूंघें।

डायरिया

एक छोटा चम्मच मेथी दाना लें, इसे एक चम्मच दही के साथ बिना चबाए खा लें, इससे डायरिया में तुरंत आराम मिलेगा। अगर दिक्कत ज्यादा है तो इसे दिन में दो बार लें। मेथी के दाने पानी के साथ भी ले सकते हैं। नींबू के रस में नमक डालें और इसे बिना पानी मिलाए मेथी के दाने इसके साथ निगल लें। पेट में ऐंठन और डायरिया से आराम के लिए एक चम्मच भुना जीरा और एक चम्मच सौंफ हर दो-तीन घंटे के अंतराल में पानी के साथ लें।

कब्ज रहता है तो इस्तेमाल करें नारियल का तेल

भागमभाग भरी इस जिंदगी में अक्सर लोग ये जानते हुए भी कि जंक फूड में मैदे, पनीर, मक्खन, नमक और चीनी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है, जंक फूड को बहुत ज्यादा महत्व देते हैं। इससे सेहत संबंधी कई समस्याएं सामने आती हैं। इन समस्याओं में सबसे ऊपर है पाचन की समस्या। इसके अलावा दवाओं के इस्तेमाल, गर्भवती महिलाओं के हार्मोन के असंतुलन और व्यायाम न करने से होने वाली कब्ज जैसी समस्याएं आम हैं। अपच से पेट में दर्द, चिड़चिड़ापन और दैनिक कार्यों में एकाग्रता की कमी जैसी कई मुश्किलें आती हैं। कब्ज से तो कालोरेक्टल कैंसर होने की भी आशंका हो सकती है।

कब्ज में फायदेमंद

लेकिन कब्ज या अपच जैसी बीमारियों को रोकने का बहुत ही आसान-सा समाधान है। खाना बनाते समय अगर तेल पर ध्यान दिया जाए तो यह समस्या बहुत आसानी से हल हो सकती है। नारियल तेल के थोड़े मीठे स्वाद के कारण खाना बनाने में इसका इस्तेमाल बहुत कम लोग करते हैं। लेकिन शायद आपको यह जान कर ताज्जुब होगा कि अगर आपको कब्ज या पाचन संबंधी अन्य तकलीफ रहती है तो नारियल का तेल आपकी तकलीफों को खत्म कर सकता है।

पाचनशक्ति रहे दुरुस्त

दरअसल नारियल तेल में मीडियम चेन फैटी एसिड होता है, जो अन्य वसायुक्त तेलों के मुकाबले ज्यादा घुलनशील है और इसी वजह से नारियल तेल को पचाने में हमारे शरीर को काफी आसानी होती है। दूसरे रिफाइंड तेल में लॉन्ग चेन फैटी एसिड होते हैं, जिन्हें पचाने में काफी समय लगता है। इसलिए सलाद ड्रैसिंग जैसे व्यंजन बनाते समय नारियल तेल की कुछ बूंदों का उपयोग सेहत के लिए तो फायदेमंद साबित होगा ही, उस व्यंजन का स्वाद भी और बेहतर हो जाएगा। दूसरे वसायुक्त तेल पाचन क्रिया में बहुत अधिक समय लेते हैं, लेकिन नारियल का तेल अन्य वसा के मुकाबले जल्दी पचता है और तत्काल ऊर्जा देता है। इस तेल को खाने से सुस्ती भी नहीं आती। इसके अलावा इसमें फाइबर की मात्र बहुत ज्यादा होती है और यह पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है।

संक्रमण से बचाए

नारियल तेल में एंटी माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो अपच की समस्या से लड़ने में मदद करते हैं। ये विटामिन, खनिज लवण और अमीनो एसिड को अवशोषित करने में सक्षम होते हैं। वर्जिन नारियल तेल में एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल और एंटी वायरल एजेंट्स होते हैं, जो पाचन क्रिया को बढ़ाते हैं और कई तरह के संक्रमण को रोकने में मदद करते हैं।

कई दर्द में राहत दे

कब्ज की समस्या और खून में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने के अलावा वर्जिन नारियल तेल कई संक्रमणों जैसे कि उल्टी, खांसी, घाव को कम करने, कान के दर्द को कम करने, दांत दर्द कम करने, पेट दर्द, निमोनिया, बच्चों के डायपर से होने वाले रैश को कम करने, मधुमेह, दाद और हेपेटाइटिस को रोकने में अहम भूमिका निभाता है।

डेंटल हाइजीनिस्ट एक बेहतरीन कॅरियर विकल्प

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा जॉब्स

आज बदलते लाइफ स्टाइल के कारण लोगों में डेंटल प्रॉब्लम्स लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। इसी के चलते आज डेंटल हाइजीनिस्ट की मांग बहुत बढ़ गई है और यह एक बेहतर कॅरियर विकल्प के रूप में यह सामने आया है। डेंटल हाइजीनिस्ट ओरल हेल्थ की देखभाल का स्पेशलिस्ट होता है। अगर आप इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं, तो अवसरों का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा जॉब इसी फील्ड में मानी जा रही हैं।

नेचर ऑफ वर्क...

डेंटल हाइजीनिस्ट का काम डेंटिस्ट की हेल्प के साथ दांतों की सफाई, छिलाई, एक्सरे लेना, उन्हें डिवलप करना, उपकरण स्टरलाइज करना, डेंटल क्लीनिंग, स्केलिंग, पॉलिशिंग व डेंटल इंप्रेशन लेना आदि है। यह पेशेंट की मेडिकल हिस्ट्री, ब्लड प्रेशर व जरूरी डिटेल भी चेक करता है। डेंटल हाइजीनिस्ट के नया कॅरियर होने के कारण इसमें भविष्य की ढेरों संभावनाएं हैं। इसका एक कारण यह भी है कि आज हर दूसरा व्यक्ति डेंटल डिजीज से ग्रस्त है। स्मार्ट दिखने के लिए काफी संख्या में ऐसे लोग डेंटल हाइजीनिस्ट के पास जाते हैं।

इंस्टीट्यूट वॉच ...

- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली
- महर्षि मार्कंडेश्वर कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च, मुलाना, हरियाणा
- लक्ष्मीबाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल, पटियाला, पंजाब
- मॉडर्न डेंटल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर, इंदौर, मप्र

अपॉर्चुनिटी...

डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से संबंधित कुछ कॉलेजों से डेंटल मैकेनिक व डेंटल हाइजीन से जुड़े सर्टीफिकेट या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। विदेश के मुकाबले देश में अभी इसमें अटेंशन कम है, लेकिन ग्रोथ को देखते हुए अब लोग इस ओर रुख कर रहे हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, यूके जैसे देशों में डेंटल हाइजीनिस्ट को एक अच्छा कॅरियर माना जाता है। जानकारों के अनुसार स्थिति यह है कि जनसंख्या के हिसाब से डेंटिस्ट हाइजीनिस्ट की जितनी जरूरत है, वे उससे कम हैं। ऐसे में डेंटिस्ट हाइजीनिस्ट के लिए हॉस्पिटल्स के डेंटल ट्रीटमेंट डिपार्टमेंट के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी स्कोप है। वे एजुकेशन सेक्टर में भी किस्मत आजमा सकते हैं। नर्सिंग होम्स, रिसर्च डिपार्टमेंट्स, फॉर्मास्युटिकल कंपनियों में भी कॅरियर बना सकते हैं।

...तो अब ब्लड शुगर को कर सकेंगे नियंत्रित

हम में से अधिकांश खाना पकाने में रिफाइंड अनाज का प्रयोग करते हैं। यह ऐसा अनाज है जिसकी बाहरी परत नहीं होती। इस बाहरी परत को व्हीट ब्रान कहते हैं। इसमें विटामिन बी-1, बी-2, बी-3, विटामिन-ई, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, फासफोरस, जिंक, कॉपर तथा फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके बिना हमारा अनाज उतना स्वस्थ नहीं होता जितना कि यह हो सकता है।

अधिक पोषक...

चूंकि व्हीट ब्रान साबुत अनाज में से हटाया नहीं जाता और सभी पोषक तत्व इसमें मौजूद रहते हैं इसलिए खिलाड़ियों, बढ़ रहे बच्चों, मां बनने वाली महिलाओं तथा स्वस्थ भोजन की इच्छा रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसकी सलाह दी जाती है। साबुत अनाज का ग्लाइसैमिक इंडेक्स सफेद आटे के मुकाबले ब्लड शुगर को बेहतर तरीके से नियंत्रित करता है। व्हीट ब्रान भोजन को ब्लड शूगर में धीरे-धीरे परिवर्तित करता है और इसे शरीर के प्राकृतिक इंसुलिन हार्मोन मैकेनिज्म के लिए आसानी से मैनेज करता है। इसलिए हम कह सकते हैं कि ये ब्लड शुगर के लिए फायदेमंद है। साबुत अनाज के आटे में ग्लाइसैमिक इंडेक्स उच्च होता है जो वजन कम करने में सहायता के लिए जाना जाता है।

लिवर को बनाता है स्वस्थ

एक स्वस्थ लिवर के लिए एक ऐसे पेट की जरूरत होती है, जिसमें भोजन आसानी से इधर-उधर आ-जा सके और जो विषैले तत्वों के निर्मित होने से रहित हो। साबुत अनाज का ब्रान वाला हिस्सा इस बात को यकीनी बनाता है कि इन विषैले तत्वों को प्रभावी ढंग से साफ किया जाए।

कैंसर का खतरा होता है कम

साबुत अनाज का आटा फाइबर का बहुत बढ़िया स्रोत है जो हमारी आंतों की गतिविधियों को नियंत्रित करता है। भोजन में फाइबर वाला हिस्सा अधिक होना चाहिए ताकि यह पानी अधिक सोख सके। आंतों के प्रो-बायोटिक बैक्टीरिया को पेट के अल्केलाइन बैलेंस को नियंत्रित करने के लिए फाइबर की जरूरत होती है। जब फाइबर पेट में प्रविष्ट होता है तो फ्रेंडली बैक्टीरिया इसे इसके स्वास्थ्यवर्धक तत्व रिलीज करने के लिए तोड़ देता है। फाइबर की गैर-मौजूदगी में ये बैक्टीरिया संख्या में कम हो जाते हैं, क्योंकि पेट का वातावरण उनके अस्तित्व के लिए एसिडिक हो जाता है। फाइबर से कैंसर का खतरा भी कम होता है।

रेसिपी

ग्रिल्ड पालक चीज सैंडविच

सामग्री

ब्राउन ब्रेड-चार स्लाइस, बारीक कटा पालक-एक कप, कसा चीज-एक कप, काला नमक-आधा छोटा चम्मच, काली मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, नींबू का रस- 1/4 छोटा चम्मच, मक्खन-एक छोटा चम्मच।

विधि

एक कटोरी में पालक, चीज, काला नमक, काली मिर्च और नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। ब्रेड स्लाइस के किनारे अलग कर लें। मक्खन लगाकर तैयार पालक और चीज का मिश्रण अच्छी तरह फैलाएं। ऊपर से दूसरा स्लाइस रखें और 5 मिनट तक ओवन में ग्रिल करें। टमेटो सॉस के साथ सर्व करें।

चटपटी मसाला मैकरोनी

सामग्री

एक कप मैकरोनी, एक बड़ा टमाटर, एक प्याज, थोड़ा सा लहसुन, अदरक, मिंच पाउडर, शिमला मिर्च, टमैटो कैचप, तेल, हरा धनिया

विधि

एक बड़े बर्तन में कम से कम 7 कप पानी उबालें। उसमें नमक, एक चम्मच तेल और मैकरोनी डाल दें। थोड़ी देर पकने दें। फिर छानकर अलग कर लें। शिमला मिर्च, टमाटर, अदरक, प्याज और लहसुन को बारीक काट लें। एक पैन में थोड़ा सा तेल गरम करके उसमें अदरक लहसुन डालकर पकाएं। उसमें कटा प्याज डाल कर गुलाबी होने तक पकाएं। उसके बाद टमाटर और लाल मिर्च डाल दें। टमाटर गलने पर उसमें शिमला मिर्च, टमैटो कैचप, नमक और हल्का सा पानी डालकर पकाएं। फिर मैकरोनी मिला दें। हरा धनिया और प्याज डालकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)